जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

उदयपुर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर, शुक्रवार 15 नवम्बर, 2024

विचार बिन्दु

त्याग से पाप का मूलधन चुकता है और दान से ब्याज। -विनोबा

संसद व सुप्रीम कोर्ट के आदेश से अनुच्छेद 370 हटाया गया है, उसे वापस लागू करने के लिये हंगामा करना संविधान का अपमान है

भारत का संविधान अन्य देशों के संविधानों से अच्छा है, बेहतर है, पठनीय है और अदभुत है। भारत राज्यों का संघ है। संघ उन राज्यों और राज्य क्षेत्र से मिलकर बना है, जिनका विवरण संविधान की पहली अनुसूची में विनिर्दिष्ट है। भारत के राज्य क्षेत्र में राज्यों से राज्य क्षेत्र व पहली अनुसूची में विनिर्दिष्ट संघ राज्य क्षेत्र और ऐसे अन्य राज्य क्षेत्र जो अर्जित किये जावें, समाविष्ट होंगे। जम्मू और कश्मीर को संविधान में 15वें राज्य का दर्जा प्राप्त है।

जम्मू-कश्मीर राज्य का अर्थ है वह भू-भाग जो विलय से पूर्व जम्मू-कश्मीर था, जो विलय पत्र से भारत का शामिल हुआ। जम्मू-कश्मीर विलय के समय ही से भारत का अभिन्न अंग है। जम्मू-कश्मीर का विधान स्पष्ट रूप से धारा 3 के अन्तर्गत घोषित करता है कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है। इसके प्रियम्बल में भी जम्मू-कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग माना है। जम्मू-कश्मीर के महाराजा ने भारतीय संविधान के आदेश दिनांक 26.10.1947 से स्वीकार किया है।

इस प्रकार यह स्पष्ट है कि जम्मू-कश्मीर राज्य पर भारतीय संविधान के प्रावधान लागू है और संसद को केन्द्र की सूची व समवर्ती सूची के विषय के कानून बनाने के अधिकार प्राप्त हैं और राज्य की लिस्ट के विषय पर जम्मू-कश्मीर की असेम्बली कानून बनाकर अपने राज्य की आन्तरिक व्यवस्था कर सकती है।

संविधान के भाग 21 में अस्थायी, संक्रमण कालीन और विशेष उपबंध के प्रावधान हैं, उनमें अनुच्छेद 370 भी एक प्रावधान है। अनुच्छेद 370 की उपादेयता समाप्त हो चुकी है वह स्वयं ही प्राणहीन हो चुका है और इस अनुच्छेद को भारत की संसद समाप्त कर चुकी है और सुप्रीम कोर्ट ने अपेन निर्णय से इसे संविधान से संवैधानिक प्रक्रिया से हटा दिया है।

अनुच्छेद 35ए, संविधान का कभी भाग नहीं रहा। भारत सरकार द्वारा संविधान जो जारी किया गया है, उसमें इसका उल्लेख भी नहीं है। इसे राष्ट्रपति के आदेश (Order) से लागू किया था अत: यह संविधान का भाग नहीं है। अवैध है।

वर्तमान में जम्मू-कश्मीर में चुनी हुई सरकार है। विधायकों ने चुनकर मंत्रीमण्डल बनाया है। नवम्बर 24 के प्रथम सप्ताह से विधानसभा की कार्यवाही हुई है जिसमें केवल हंगामा हुआ है, मारपीट हुई है पोस्टरों का प्रदर्शन और उन्हें फाडे जाने के शर्मनाक सीन देखे गये हैं। चुने हुये विधायकों को मार्शल से असेम्बली से घसीटकर निकाला गया है। असेम्बली में सरकार नेशनल कॉन्फ्रेंस व कांग्रेस की है और विपक्ष की पार्टियों में भाजपा बड़ी पार्टी है। विधायकों का चुनाव संविधान और जन प्रतिनिधित्व अधिनियम के अनुसार हुआ है और सभी असेम्बली के सदस्यों ने मुख्यमंत्री व अन्य मंत्रियों ने संविधान द्वारा निर्धारित शपथ ग्रहण की है और घोषित किया है कि वे "संविधान के प्रति सच्ची श्रद्धा और निष्ठा रखेंगे ......कर्त्तव्यों का श्रद्धापूर्वक निर्वहन करेंगे और संविधान और विधियों की मर्यादा बनाये रखेंगे।" राज्य के वे लोग जो राज्य की सरकार चला रहे हैं वे सब शपथ पर झूठ बोलने के दोषी हैं।

ऐसा कहा गया है कि "विधायक इंजीनियर राशिद के भाई खुर्शीद अहमद शेख ने सदन में आर्टिकल 370 का बैनर दिखाया, जिसमें इसकी बहाली की मांग थी। इसका भाजपा पार्टी के विधायकों ने विरोध किया। बैनर छीन लिया। विधायकों में मारपीट शुरू हो गई, गाली-गलोच पर उत्तर आये, बैनर छीनकर फाड़ भी दिया। दोनों पक्ष हिंसा पर उतर आये। गाली गलोच शालीनता को चुनौती दे रहे थे। असभ्य लोग भी ऐसा शायद नहीं कर सकते। राष्ट्रदूत अखबार के दिनांक 8 नवम्बर 2024 के अंक में इस घटना का वर्णन इस प्रकार किया है, "बीजेपी नेता रविन्द्र रैना ने कहा कांग्रेस पार्टी और नेशनल कॉन्फ्रेंस मिलकर जम्मू-कश्मीर में बनाई है, सरकार बनाते ही उन्होंने देशद्रोही एजेण्डों पर काम करना शुरू कर दिया है। दोनों पार्टियों ने जिस प्रकार चोरी-छिपे विधानसभा में पेश किया है और तुरन्त बिना किसी चर्चा के पास करके विधानसभा की कार्यवाही समाप्त कर दी। यह दिखाता है कि कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस की सरकार जम्मू-कश्मीर के अन्दर पाकिस्तान के एजेण्डे को आगे बढ़ाने की साजिश कर रही है।"

भाजपा के प्रदेश कार्यालय में हुई प्रेस वार्ता में मंत्री राजवर्धन राठौड़ ने जम्मू-कश्मीर विधानसभा में अनुच्छेद 370 बहाली को लेकर इंडी अलायन्स और कांग्रेस पर सवाल उठाये हैं। राठौड़ ने कांग्रेसी नेताओं को भारत का विभाजन करने वाला और अलगाव वादी विचार धारा को बढ़ावा देने वाला कहा है। राजवर्धन सिंह ने कांग्रेस को चुनौती देते हुये कहा है कि वे क्यों नहीं देश की जनता के सामने यह स्पष्ट कर दें कि वे अनुच्छेद 370 को हटाने के पक्ष में है अथवा बहाल करने के पक्ष में हैं?

राज्य की असेम्बली में इस प्रसंग को लेकर विधानसभा की वैल में धक्का मुक्की हो रही है। दिनांक 08.11.2024 को अवामी इत्तेहाद पार्टी के विधायक खुर्शीद अहमद शेख ने 370 की बहाली से संबंधित पोस्टर लहराने का प्रयत्न किया। विपक्ष ने उसे रोका। धक्का-मुक्की हुई। इस पर मार्शल खुर्शीद को घसीटकर ले गये। स्थिति अराजकता से भर गई और अध्यक्ष अब्दुल रहीम ने निर्देश दिया कि भाजपा विधायकों को बाहर निकाल दो 11 विधायकों को घसीट कर बाहर निकाला। शेष विधायक भी वाक आउट कर बाहर चले गये। बाहर वे धरने पर बैठ गये।

विधानसभा में अनुच्छेद 370 को पुनः संविधान में स्थापित करने का प्रस्ताव लाकर पास कराने का कार्य विधानसभा का नहीं है। विधानसभा ने इस प्रकार अपनी शक्ति (अधिकार) का गलत प्रयोग किया है। विधानसभा में हंगामा हुआ, गाली गलोच हुई, असभ्य व्यवहार किया गया। विधायकों को हाउस के बाहर घसीट कर बाहर निकालना वह भी बिना कारण बताओ नोटिस दिये तथा बिना सुनवाई किये, नैसर्गिक/प्राकृतिक न्याय के प्रथम सिद्धान्त के विरूद्ध था।

कहा जाता है राज्य की सरकार अलगावादियों व आतंकवादियों को संरक्षण दे रही है। जहां राज्य के विकास व गरीबी समाप्त करने व रोजगार देने के उपाय तलाश किया जाना था वहां विधानसभा का समय उपरोक्त देश विरोधी गतिविधियों में जा रहा है।

ध्यान रहे भारतीय संसद ने दिनांक 5 अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 को संवैधानिक प्रक्रिया से समाप्त किया था और राष्ट्रपति ने स्वीकृत किया था तथा देश की सर्वोच्च कोर्ट ने अपने निर्णय दिनांक 11.12.2023 से इसे सही माना उसे पुनः जीवन नहीं दिया जा सकता। इसे पुनः सीापित करना संविधान में संशोधन करना है जो अनुच्छेद 368 की जटिल प्रक्रिया के अनुसार नहीं हो सकता। सर्वोच्च न्यायालय की संविधान पीठ का निर्णय है जिसे कोई नहीं पलट सकता। संबंधित रिट याचिकाओं (PIL) में फारूख अब्दुल्ला भी एक पक्षकार रहे हैं। अत: निर्णय जम्मू-कश्मीर की जनता पर यों भी बाध्यकारी है। अनुच्छेद 370 हटाने के बाद आतंकवादी घटनाओं में 70: की कमी आई है। कश्मीर घूमने वालों की संख्या में काफी बढ़ोत्तरी हुई है। पत्थर मारने की घटनायें बंद हो गई हैं। कश्मीर का क्षेत्र शांति की ओर बढ़ रहा है। कानूनी दृष्टि से समाप्त हुये अनुच्छेद 370 को पुनः जीवित नहीं किया जा सकता। उसे जिस उद्देश्य से लाया गया था वह पूरा हो चुका है। अनुच्छेद 370 का पुनः स्थापित करना संविधान के अनुसार संविधान संशोधन की प्रक्रिया है, जिसे अब संसद भी लागू नहीं कर सकती। देश के गृहमंत्री अमित शाह ने सही कहा है कि आगे आने वाली कोई भी पीढ़ी इसे जीवन नहीं दे सकती। यह एक ऐतिहासिक घटना है। मोदी ने इसे पुनः वापिस लाने को असंभव कहा है।

जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा बहाल नहीं हो सकता। संविधान इसकी अनुमति नहीं देता। राज्य की असेम्बली में इस हेतु कोई प्रस्ताव नहीं लाया जा सकता। विधानसभा में इस हेतु प्रस्ताव पारित करना संसद और सुप्रीम कोर्ट के फैसले की अवज्ञा करना है अवहेलना और अपमान करना है। यह कृत्य न तो राज्य सूची का है और न समवर्ती सूची का है अत: जम्मू-कश्मीर विधानसभा को इस हेतु कोई कार्य करने का अधिकार ही नहीं है।

नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायकों व मंत्रियों ने जो कार्य किया है वह अमर्यादित है, अवैध है, निरंकुश है साथ ही उनका आचरण उस शपथ के विरूद्ध है जो उन्होंने जनता के समक्ष कार्यभार संभालने से पूर्व ली थी। सभी शपथ के भंग के अपराध के दोषी हैं। कांग्रेस के विधायकों ने उनका साथ दिया है अत: वे अवेटमेन्ट (Abatement) के कारण दोषी हैं।

जम्मू व कश्मीर की विधासभा में, विधानसभा की कार्यवाही के समय जो घटनायें हुईं, वे शर्मनाक तो थीं ही साथ अराजकता से कम नहीं थीं। अनुच्छेद 370 संसद के आदेश और सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के विरूद्ध थी। निर्णय के द्वारा सर्वोच्च न्यायालय ने संसद के आर्डर को सही करार दिया था। विधानसभा का कर्त्तव्य है कि वह संविधान की राज्य सूची व समवर्ती सूची के अनुसार कानून बनाये और संविधान की पालना करते हुये राज्य का प्रशासन करे। विधानसभा में अनुच्छेद 370 को पुनः संविधान में स्थापित करने का प्रस्ताव लाकर पास कराने का कार्य विधानसभा का नहीं है। विधानसभा ने इस प्रकार अपनी शक्ति (अधिकार) का गलत प्रयोग किया है। विधानसभा में हंगामा हुआ, गाली-गलोच हुई, असभ्य व्यवहार किया गया। विधायकों को हाउस के बाहर घसीट कर बाहर निकालना वह भी बिना कारण बताओ नोटिस दिये तथा बिना सुनवाई किये, नैसर्गिक/प्राकृतिक न्याय के प्रथम सिद्धान्त के विरूद्ध था। विधायकों ने कानूनी तौर पर कई अपराध भी किये हैं जिनसे देश की सुरक्षा को खतरा है। जो लोग विधानसभा में हंगामा कर रहे हैं वे अलगावादियों व आतंकवादियों को सहयोग दे रहे हैं। ये ही लोग हैं जो हिन्दू मजदूरों की हत्या के दोषी हैं। ये ही हैं, जिनके इशारे पर आज कल आतंकवादी पुनः सक्रिय हो रहे हैं। इन सबका यही निष्कर्ष है कि जम्मू-कश्मीर राज्य में संवैधानिक तंत्र विफल हो गया है और ऐसी स्थिति उत्पन्न हो गई है जब राज्य का शासन संविधान के उपबंधों के अनुसार नहीं चलाया जा सकता हो तो राष्ट्रपति अनुच्देद 356 के तहत राष्ट्रपति शासन लागू कर राज्य की शक्तियों को स्वयं अथवा प्रतिनिधि को दे सकते हैं। अनुच्छेद 356 की कार्यवाही का यह एक कानून सम्मत केस है। कानून की यह स्थिति है कि जब कोई राज्य संघ शासन के द्वारा अनुच्छेद 256, 257 आदि के द्वारा दिये गये निर्देशनों की पालना न करे तो राष्ट्रपति के लिये यह मानना विधि सम्मत होगा कि राज्य में ऐसी स्थिति पैदा हो गई है जब उसका शासन संविधान के प्रावधानों के अनुरूप नहीं चलाया जा रहा है, यह प्रमाणिक माना जायेगा।

भारतीय जनता पार्टी का कहना सही है कि विधानसभा में वे जम्मू-कश्मीर के विकास के हेतु काम करना चाहते हैं। जम्मू-कश्मीर राज्य उन्नति करे। युवाओं को काम मिले और टूरिज्म बढ़े, लोग खुशहाल हों। भारत के अन्य राज्यों से जम्मू-कश्मीर अधिक उन्नति करे। नेशनल कॉन्फ्रेंस पार्टी, पीडीपी और इण्डिया गठबंधन केवल हंगामा करना चाहती हैं। वे पाकिस्तान के एजेण्डे पर काम कर रही हैं ऐसा राजनीतिक पार्टियों का आरोप है। यों भारत सरकार ने जम्मू-कश्मीर की जनता को विश्वास दिया था कि समय आने पर राज्य को पूरे राज्य का दर्जा दिया जायेगा। जनता को प्रतीक्षा करना है।

सबको सन्मति दे भगवान!

-अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

नशा मुक्त था बिरसा मुंडा का आदर्श राज्य

15 नवम्बर, बिरसा मुंडा की जयंती पर (जनजाति गौरव दिवस) विशेष....

डॉ. दुलीचंद मीना

छोटा नागपुर बसाने वाले चुटियाहरम एवं नागु के वंशज सुगना मुण्डा एवं करमी के यहां बिरसा का जन्म 15 नवम्बर, 1875 को हुआ। बिरसा का बचपन चलकद में अपने माँ-बाप एवं अयुबहातु में अपने नाना के साथ गुजरा। कुछ दिनों के बाद बिरसा कुण्डी बरतोली में अपने भाई कोम्ता के पास चला गया जहाँ कोम्ता ने बिरसा को लुकास प्रचारक के साथ बुर्जु के जर्मन मिशन में भेज दिया जहां से बिरसा ने लोअर प्राईमरी परीक्षा पास की। बिरसा को सन् 1886 में चाईबासा मिशन में उच्च प्राथमिक शिक्षा के लिए भर्ती करा दिया गया। यहां बिरसा 1886 से 1890 तक रहा। यह उसके व्यक्तित्व का निर्माण काल था। मुण्डा आंदोलन की पृष्ठभूमि में भूमि-स्वामित्व-अपहरण संबंधी आक्रोश के साथ-साथ वनों के संरक्षण संबंधी सरकार के आदेश से जन-जातियों के उस परम्परागत अधिकारों को आघात था जिसके चलते वे वनों से लकड़ी काटकर नि:शुल्क ईंधन ले जाते थे तथा वहां अपने ढोरों, पशुओं को चराते थे तथा तब चाहे वह जंगल से खेती के लिए जमीन ले लिया करते थे। दूसरी बात 1896-97 व 1899-1900 के अकालों से उनके बीच सुलगती असन्तोष की आग विस्फोटक स्थिति में पहुंच गई। नई आबकारी नीति के कारण मुण्डाओं के बीच मद्यपान का रिवाज शुरू हुआ और मुण्डा-मजदूरों के चाय बागान तथा अन्य कारणों से बाहर जाने से उनके परम्परागत नैतिक मूल्यों और अधिकारिता पर चोट पहुंची।

इस समय सरदारों का भूमि आंदोलन चल रहा था। बिरसा आन्दोलन सरदार आन्दोलन से आगे का कदम था। सरदारों ने पहले ईसाई चर्च की स्थापना की, पर बाद में उन्होंने ईसाई धर्म छोड़ दिया। इस अर्थ में बिरसा उनसे कहीं आगे बढ़ गए। उन्होंने एक ऐसा धार्मिक आन्दोलन खड़ा कर दिया जिसकी अपनी एक संस्था थी, सिद्धान्त थे और साथ ही जिसके नियामक पहलू भी थे। अपना राज्य फिर वापिस कराने के लिए पुराने सरदारों ने प्रार्थना, विरोध व अर्जी देने का कानूनी और संवैधानिक तरीका अपनाया, जिसमें जमींदारों आदि से असहयोग करने जैसी बातें भी शामिल थी। जबकि बिरसा ने ऐसा रास्ता अपनाया जिसने अपने प्रारंभिक चरण में धार्मिक और बाद के चरणों में क्रान्तिकारी रूप ग्रहण कर लिया। सरदार मुख्य रूप से बिचौलियों और दिकुओं के खिलाफ थे, जबकि बिरसा सरकार के विरूद्ध विद्रोह का झण्डा उठाकर खडे हो गए थे। सरदार लोग अनैतिक थे, जबकि बिरसा ने एक कठोर नैतिक संहिता का ढाँचा खड़ा कर दिया था। सरदार-आन्दोलन में ऐसी भी एक स्थिति आई जब वे लोग ब्रिटिश शासन के अधीन स्वायत्त शासन स्वीकार करने को भी तैयार हो गए, दूसरी ओर बिरसा सम्पूर्ण स्वतंत्रता के पक्षधर थे, ऐसी स्वतंत्रता जो राजनीतिक भी हो और धार्मिक भी। वे एक बिरसा-राज्य और बिरसा-धर्म स्थापित करना चाहते थे।

धार्मिक दृष्टि से सन् 1894-95 में बिरसा का मसीहा के रूप में उदय हुआ। उसने स्वयं को धरती आबा (धरती का पिता) घोषित किया। अब आस-पास के क्षेत्रों में बिरसा का व्यक्तित्व रोगों को दूर करने वाले, उपदेशक के रूप में, चमत्कार दिखाने वाले और पैगम्बर के रूप में निकलकर सामने आया। बिरसा धर्म एक पुनरूत्थानात्मक धर्म था जिसके जरिये पुराने नैतिक मूल्यों को पुनर्स्थापित करने की कोशिश करते हुए मूल स्त्रोत से जोड़ने की चेष्टा की गई। बिरसा धर्म एक सुधारवादी आंदोलन के रूप मे शुरू हुआ जिसमें प्रार्थना, ईश्वर और पृथ्वी पर उनके संदेशवाहक के रूप में बिरसा के प्रति निष्ठा एक आचरण संहिता का पालन, माथे पर पवित्र चन्दन लगाना, यज्ञोपवित पहनना, सफाई से रहना, तुलसी के पौधे की पूजा करना आदि का संबंध अतीत से जोड़ा गया। भजनों को छोड़कर सभी प्रकार के नृत्य-गायन को प्रतिबंधित करते हुए उत्सव एवं समारोहों में भाग लेना भी वर्जित किया गया। साथ ही, फूलों, गहनों और तड़क-भड़क वाले वस्त्रों पर भी प्रतिबंध लगाया गया। महंगे समारोहों के स्थान पर मितव्ययतापूर्ण व कम खर्चीले समारोह शुरू किए गए। मद्यपान यहां तक कि पुराने जोहार समारोह के अवसर पर एक चुक्कड़ हँडिया पीने पर भी रोक लगा दी गई। मद्यनिषेध के संबंध में बिरसा के अनुयायियों में यह मुण्डा क्रान्ति गीत बहुत लोकप्रिय रहा-

बिरसा का आदेश है कि
हँड़िया और शराब न पियो,
इससे हमारी जमीन हमसे छिन जाती है।
अधिक मद्यपान और नींद ठीक नहीं।
दुश्मन इस कारण हम पर हँसते हैं,
भात से बनी हँड़िया महकती है।
शरीर और जीवन क्षीण करती है।
अधिक मद्य-सा नशे में सुध खो,
गलियों और नुक्कड़ों पर
होश-हवास और विवेक खो
तुम लकड़ी के बेजान कुन्दे-सा पड़े रहते हो।
तुम्हारा परिवार भूख से तड़पता है।
तुम्हारे बच्चे रो-रोकर जान देते हैं।

इस प्रकार बिरसा एक आदर्श राज्य यानि बिरसा राज और बिरसा धर्म की स्थापना करना चाहता था। बिरसा मुण्डा की शिक्षाएं नशाखोरी मे लिप्त युवावर्ग के लिए आज भी प्रेरणा के स्त्रोत हैं। जल, जंगल और जमीन की लड़ाई लड़ने वाले योद्धा धरती आबा भगवान बिरसा मुण्डा का जेल में 09 जून, सन् 1900 ई. को निधन हो गया।

-डॉ. दुलीचंद मीना,
आर. ए. एस.

ई-रिक्शा मालिक ही बनें चालक : सूदखोर माफियाओं पर कब लगेगी लगाम?

सुनील दत्त गोयल

हाल ही में सरकार ने ई-रिक्शा चालकों के हित में कलर कोडिंग, कोड, और एक व्यक्ति को केवल एक ई-रिक्शा प्रदान करने जैसे कदम उठाए हैं। ये उपाय स्वागत योग्य हैं, लेकिन इनसे समस्या का सम्पूर्ण समाधान नहीं हुआ है। ई-रिक्शा रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया को और पारदर्शी और सुरक्षित बनाने के लिए, सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि प्रत्येक ई-रिक्शा के रजिस्ट्रेशन में असली मालिक का ड्राइविंग लाइसेंस लिंक हो। इसका लाभ यह होगा कि ट्रैफिक पुलिस या अन्य संबंधित अधिकारी यह आसानी से जाँच कर सकेंगे कि जिस व्यक्ति के नाम पर ई-रिक्शा का रजिस्ट्रेशन हुआ है, वही व्यक्ति वास्तव में उसे चला रहा है या नहीं। इससे फर्जी मालिकाना हक और सूदखोर एवं माफियाओं द्वारा किराए पर चलाए जा रहे ई-रिक्शाओं पर प्रभावी नियंत्रण लगाया जा सकेगा, जो इस समय एक बड़ी समस्या बन चुकी है।

इसके अतिरिक्त, प्रत्येक ई-रिक्शा चालक के लिए यह अनिवार्य किया जाना चाहिए कि वह अपना पहचान पत्र गले में पहने। पहचान पत्र के माध्यम से उनकी पहचान सुनिश्चित की जा सकेगी, और यातायात व्यवस्था में पारदर्शिता बढ़ेगी। यह उपाय ट्रैफिक पुलिस और अन्य अधिकारियों को आवश्यक जानकारी आसानी से उपलब्ध कराने में सहायक होगा, जिससे किसी भी अनधिकृत व्यक्ति द्वारा ई-रिक्शा चलाने की घटनाओं पर अंकुश लगेगा। यह आवश्यक है कि सरकार यह सुनिश्चित करे कि जो लोग ई-रिक्शा का पंजीकरण करवाते हैं, वे स्वयं ही उसे चलाएँ। कई सूदखोर माफियाओं ने एक ही नाम और पते से दर्जनों ई-रिक्शा खरीद रखे हैं और इसे एक मुनाफे वाले व्यापार मॉडल में बदल दिया है। सरकार को इस समस्या का समाधान करने के लिए सक्रिय कदम उठाने की आवश्यकता है।

इसके लिए, जिला परिवहन अधिकारी (डीटीओ) को निर्देश दिया जाना चाहिए कि वे इस प्रकार के ई-रिक्शा के पंजीकरण की स्कैनिंग करें। यदि किसी एक व्यक्ति या पते पर असामान्य संख्या में ई-रिक्शा पंजीकृत पाए जाते हैं, तो उनका पंजीकरण रद्द किया जाना चाहिए। इस प्रकार के कदम उठाकर, न केवल सूदखोरी पर अंकुश लगाया जा सकेगा, बल्कि जरूरतमंद नागरिकों के लिए रोजगार के अवसर भी बढ़ाए जा सकेंगे। इस प्रथा के चलते, एक ही व्यक्ति कई ई-रिक्शा खरीदकर उन्हें किराए पर चला रहा है, जिससे गरीब और बेरोजगार लोग, जिनके पास ई-रिक्शा खरीदने के साधन नहीं हैं, मजबूरन प्रतिदिन 200 से 500 रुपये का किराया देकर इन्हें चलाते हैं।

इससे न केवल चालकों का आर्थिक शोषण हो रहा है, बल्कि ट्रैफिक और अन्य मुद्दे भी उत्पन्न हो रहे हैं। सरकार को चाहिए कि ई-रिक्शा पंजीकरण और संचालन के लिए सख्त नियम बनाए, जिससे वास्तविक जरूरतमंद लोगों को ही इस कार्य का लाभ मिल सके।

समस्याओं के समाधान हेतु सुझाव

1. सूदखोर माफियाओं पर रोक और कानूनी कार्यवाही

सरकार को ऐसे सूदखोर माफियाओं की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करनी चाहिए। इन लोगों को आर्थिक अपराधी घोषित कर उचित दंड दिए जाने चाहिए ताकि वे ई-रिक्शा चालकों का शोषण न कर सकें।

2. ई-रिक्शा चालकों के लिए सस्ते / कम ब्याज दर पर ऋण योजना

सरकार को ऐसे ई-रिक्शा चालकों की पहचान करनी चाहिए, जो केवल आजीविका के लिए इसे चला रहे हैं। इनके लिए बिना किसी प्रारंभिक भुगतान के और सस्ते / कम ब्याज दरों पर ऋण उपलब्ध कराया जा सकता है ताकि वे अपने ई-रिक्शा का स्वामित्व आसानी से प्राप्त कर सकें।

3. सामाजिक संगठनों की भागीदारी : सामाजिक संगठनों को भी इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। वे आर्थिक रूप से कमजोर चालकों की सहायता कर सकते हैं और उनके लिए फंडिंग या ई-रिक्शा स्वामित्व योजनाएँ संचालित कर सकते हैं। इससे माफियाओं पर निर्भरता कम होगी और चालक आर्थिक रूप से सशक्त होंगे।

4. चार्जिंग और पार्किंग सुविधाओं का विकास : ई-रिक्शा की बढ़ती संख्या को देखते हुए, सरकार को अधिक से अधिक चार्जिंग स्टेशन और पार्किंग स्थल विकसित करने चाहिए। ये सुविधाएँ आसानी से उपलब्ध होनी चाहिए, जिससे चालकों को अनावश्यक खर्च से बचाया जा सके।

इन सभी उपायों को लागू कर हम न केवल ई-रिक्शा चालकों की स्थिति में सुधार ला सकते हैं, बल्कि सूदखोर माफियाओं के नियंत्रण में भी सफलता प्राप्त कर सकते हैं। इसके साथ ही, ये कदम एक स्वच्छ और सुरक्षित परिवहन व्यवस्था का निर्माण करने में भी सहायक सिद्ध होंगे।

धन्यवाद।

-सुनील दत्त गोयल,
महानिदेशक, इम्पीरियल चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री,
जयपुर, राजस्थान

उत्तर कर्नाटक के गन्ने और मक्के के खेत तेंदुओं के लिए नए आश्रय स्थल

डॉ. अनुभा जैन

बेंगलुरु में घने, ऊंचे पेड़ों वाले गन्ने और मक्के के खेत जानवरों, खासकर बड़ी बिल्लियों यानि तेंदुओं के छिपने के लिए आदर्श आश्रय स्थल बने हुये हैं। इन खेतों में मवेशी जैसे भेड़, आवारा कुत्ते, जंगली सूअर आदि शिकार पर्याप्त मात्रा में पाए भी जाते हैं। इसके अलावा, ये खेत तेंदुओं के प्रजनन के लिए पानी और सुरक्षित जगह भी प्रदान करते हैं। 2023-24 के आंकड़ों के अनुसार, कर्नाटक में गन्ना उगाने वाला क्षेत्र 10 लाख हेक्टेयर हो गया जो 2019-20 में महज 7.65 लाख हेक्टेयर ही था और, पिछले चार वर्षों के दौरान मक्के का खेत भी 15 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 20.13 लाख हेक्टेयर हो गया है।

पिछले तीन वर्षों में, विजयपुरा जिले के गन्ने के खेतों में छह तेंदुए देखे गए हैं

हालांकि, इससे उत्तर कर्नाटक के इन क्षेत्रों में पशु-मानव मुठभेड़ें बढ़ गई हैं। आवास का नुकसान, खनन और घटते शिकार तेंदुओं जैसे इन जानवरों को नए क्षेत्रों में जाने के लिए मजबूर करने वाले प्रमुख कारक हैं। समय के साथ तेंदुओं की आबादी बढ़ती जा रही है और इसी क्रम में कोप्पल में 2022 से तेंदुओं की बढ़ती आबादी के कारण 57 पशुधन की मौत हो गई है। कर्नाटक वन विभाग के आंकड़ों से पता चलता है कि कलबुर्गी, बेलगावी, बीदर और बागलकोट जिलों में पशुधन की हत्या के साथ कुल 82 मानव-तेंदुए संघर्ष की घटनाएं हुई हैं। इसी तरह, बागलकोट के यादहल्ली चिंकारा वन्यजीव अभयारण्य में जहां पहली बार 2015 में तेंदुए देखे गए थे, और वर्तमान में यादहल्ली और उसके आसपास 3 वयस्क तेंदुए हैं।

वन अधिकारियों को संदेह है कि इन तेंदुए ने कृष्णा नदी बेसिन में गन्ने के खेतों का इस्तेमाल किया और यादहल्ली में चले गए। इसी तरह, पिछले तीन वर्षों में, विजयपुरा जिले के गन्ने के खेतों में छह तेंदुए देखे गए हैं, जहां पहले तेंदुए के देखे जाने का शायद ही कोई रिकॉर्ड हो। तेंदुए अन्य बस्तियों से आते हैं और गन्ने के सूखे खेतों में शरण लेते हैं यह परिदृश्य मादा तेंदुओं के प्रजनन के लिए उपयुक्त हो जाता है। गन्ने और मक्के के खेतों से तेंदुए के बच्चों को बचाना उत्तरी कर्नाटक में एक नियमित अभ्यास बन गया है।

-डॉ. अनुभा जैन, वरिष्ठ पत्रकार

राशिफल शुक्रवार 15 नवम्बर, 2024

पंडित अनिल शर्मा

कार्तिक मास, शुक्ल पक्ष, पूर्णिमा, शुक्रवार, विक्रम संवत 2081, भरणी नक्षत्र रात्रि 2:59 तक, व्यतिपात योग प्रात: 7:30 तक, विष्टि करण सायं 4:39 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 3:17 से वृष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-तुला, चन्द्रमा-मेष, मंगल-कर्क, बुध-वृश्चिक, गुरू-वृष, शुक्र-धनु, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज राजयोग सूर्योदय से रात्रि 9:55 तक है। भद्रा सायं 4:39 तक रहेगी। आज शनि मार्गी सायं 7:50 पर होगा। आज सत्य पूर्णिमा व्रत, कार्तिक पूर्णिमा, गुरू नानक जयन्ती, देव दिवाली है। आज कार्तिक स्नान और भीष्म पंचक व्रत समाप्त होंगे। आज अष्टानिका महापर्व पूर्ण होगा। आज त्रिपुरारि पूर्णिमा, व्यतिपात पुण्यं है। पदमक योग रात्रि 9:55 से आरम्भ होगा। कार्तिक सप्तमी दर्शन रात्रि 9:55 से रात्रि 2:59 तक है।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 8:11 तक, लाभ-अमृत 8:11 से 10:51 तक, शुभ 12:11 से 1:32 तक, चर 4:12 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 6:50, सूर्यास्त 5:32

मेष

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

वृष

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। मन में असंतोष बना रहेगा।

मिथुन

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ बनी रहेगी। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कर्क

व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह

व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा में परेशानी हो सकती है।

तुला

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक

व्यावसायिक कार्यों के कारण बाहर जाना पड़ सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

धनु

परिजनों के व्यवहार अच्छा नहीं रहेगा। महत्वपूर्ण और आवश्यक मामलों में दुविधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

मकर

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी।

कुंभ

घर-परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 32 संख्याः 13 प्रभात उदयपुर, शुक्रवार 15 नवम्बर, 2024 आर.जे. 7202 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

कर्नाटक में कांग्रेस का आरोप, भाजपा ने 50 विधायकों को पचास-पचास करोड़ रु. की रिश्वत की पेशकश की

कर्नाटक भाजपा के अध्यक्ष बी.वाय. विजयेंद्र ने कहा, बिना प्रमाण दिए ऐसे आरोप लगाना बचकाना राजनैतिक बयान है

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 नवम्बर। कर्नाटक के मुख्यमंत्री एस. सिद्धारमैया के एक दावे ने कर्नाटक के राजनैतिक वातावरण में तूफान ला दिया है वो भी ऐसे समय में जबकि महाराष्ट्र में चुनाव चल रहे हैं। सिद्धारमैया ने कहा है कि भाजपा उनकी सरकार गिराने के लिए कांग्रेस विधायकों को 50 करोड़ रु. की पेशकश कर रही है।

मुख्यमंत्री द्वारा बुधवार को एक जनसभा में दिए गए इस बयान के कारणों व प्रभाव को राजनैतिक विश्लेषक ट्रायल बैलून के रुप में देख रहे हैं जिसका इस्तेमाल कांग्रस महाराष्ट्र व झारखण्ड के विधानसभा चुनावों में कर रही है इनमें कर्नाटक की तीन विधानसभा सीटें भी शामिल है जहां उपचुनाव हो रहा है। भाजपा ने मुख्यमंत्री के दावे को खारिज करते हुए उन्हें सबूत देने की चुनौती दी। लेकिन इस आरोप का अधिकृत तौर पर खंडन आने से इन पर ज्यादा यकीन हो जाएगा। खासकर भाजपा का पुराना ट्रैक रिकॉर्ड देखें तो। भाजपा कई राज्य सरकारों को साजिश करके गिराया है। जिनमें कर्नाटक भी शामिल है जब कांग्रेस व जग एस.के कुछ विधायकों ने इस्तीफा दे दिया ता जिसकी वजह से कुमारास्वामी की सरकार गिर गई थी जिसमें कांग्रेस सहयोगी थी। इसके बाद भाजपा ने सरकार बनाई थी।

इसके अलावा मध्यप्रदेश में भी भाजपा ने यही रास्ता अपनाया था जब ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अपने समर्थक विधायकों के साथ कांग्रेस छोड़ दी थी जिससे कांग्रेस अल्पमत में आ गई और फिर ज्योतिरादित्य की मदद से भाजपा की सरकार बनी।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने भाजपा के खिलाफ विशिष्ट आरोप लगाए हैं, कि भाजपा उनकी सरकार गिरान के लिए कांग्रेस के हरेक विधायक को पचास करोड़ रु. की पेशकश कर रही है।

सिद्धारमैया ने कहा, ''सिद्धारमैया की सरकार गिराने के लिए उन्होंने कांग्रेस के 50 विधायकों में से प्रत्येक को 50 करोड़ रु. की पेशकश की है। उन्हें इतना पैसा कहां से मिला? क्या पूर्व मुख्यमंत्रियों येदियुरप्पा व बोम्मई से या फिर विपक्ष के नेता आर. अशोक या प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बी.वाय. विजयेन्द्र से? यह पैसा भाजपा नेताओं ने रिश्वत से एकत्रित किया और फिर कांग्रेस विधायकों को ललचाने का असफल प्रयास किया।

सिद्धारमैया ने कहा इस बार कोई कांग्रेस विधायक नहीं माना। इन्होंने किसी भी तरह से हमारी सरकार को हटाने की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- कर्नाटक में कांग्रेस के उपमुख्यमंत्री शिवकुमार ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के आरोपों का समर्थन किया और कहा, भाजपा का निर्वाचित सरकारें गिराकर अपनी सरकार बनाने का इतिहास रहा है।
- शिवकुमार ने कहा, भाजपा ने कर्नाटक में ऐसा किया था और कांग्रेस-जद (एस.) गठबंधन की सरकार गिराकर अपनी सरकार बनाई थी, तब भाजपा ने जद (एस) और कांग्रेस के कुछ विधायकों को तोड़ लिया था।
- शिवकुमार ने मध्यप्रदेश का उदाहरण भी दिया, जहाँ, भाजपा ने ज्योतिरादित्य व उनके समर्थकों से दल-बदल करवा कर कमलनाथ की कांग्रेस सरकार गिरा दी थी।
- इधर भाजपा ने कहा कि असल में सिद्धारमैया को अपने विधायकों पर भरोसा नहीं है वे उन पर नियंत्रण करने और भ्रष्टाचार के मामलों से ध्यान हटाने के लिए आरोप लगा रहे हैं।

फोन टैपिंग में लोकेश शर्मा ने याचिका वापस ली

जयपुर, 14 नवबर। प्रदेश में पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के दौरान फोन टैपिंग को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के ओ.एस.डी. रहे लोकेश शर्मा ने दिल्ली हाईकोर्ट में लंबित अपनी याचिका को वापस ले लिया है। लोकेश शर्मा ने याचिका दायर कर मामले में दर्ज एफ.आई.आर. को निरस्त करने और प्रकरण को राजस्थान ट्रांसफर करने की गुहार की थी। इसके साथ ही मामले में लोकेश शर्मा को गिरफ्तार करने पर लगी रोक स्वतः हट गई है।

लोकेश शर्मा की ओर से पेश

- याचिका वापस लेने से लोकेश शर्मा की गिरफ्तारी पर से रोक हट गई।

प्रार्थना पत्र में कहा गया कि याचिकाकर्ता ने 25 सितंबर को दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच में बयान दर्ज कराने के साथ ही सबूत भी सौंप दिए हैं। ऐसे में अब याचिका का कोई औचित्य नहीं है। इसलिए याचिका को वापस लेने की अनुमति दी जाए।

मामले के अनुसार, फोन टैपिंग को लेकर केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह ने दिल्ली में वर्ष 2021 में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इस रिपोर्ट को रद्द करने और प्रकरण को राजस्थान ट्रांसफर की गुहार करते हुए लोकेश शर्मा ने दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। जिस पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए अदालत ने लोकेश शर्मा की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी थी।

ट्रम्प की, सरकारी खर्च कम करने की मुहिम का सबसे ज्यादा विरोध राजनीतिज्ञ करेंगे

राजनीतिज्ञ तय करते हैं केन्द्रीय बजट और वे अपने इस अधिकार को किसी अन्य टीम को देना नहीं चाहेंगे

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 नवम्बर। आप एक नया विभाग या एजेंसी बना रहे हैं, जो सरकार के आकार को घटाने के लिए अध्ययन और उसे लागू करने का कार्य करेगी। यही काम अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प कर रहे हैं और इसका सह-नेतृत्व कौन करेगा? दुनिया के सबसे अमीर और साहसी उद्यमी एलन मस्क। सरकारी आकार घटाने के इस अभियान में एक और प्रमुख व्यक्ति हैं विवेक रामास्वामी।

इसका केन्द्रीय विचार वही है जो पहले व्यक्त किया गया था: ''प्रशासनिक राज्य का विघटन''। यह वर्तमान सरकार सुधारों के संदर्भ में क्रांतिकारी हो सकता है। यह विचार भारत में भी 1991-92 में व्यापक सुधारों के दौरान और बाद में व्यक्त किया गया था। यहाँ ध्यान इस पर था कि केन्द्र में विशाल ब्यूरोक्रेसी बनाए रखकर, उन मंत्रालयों का खर्चा समाप्त किया जाए, जिनकी आवश्यकता अब खत्म हो गई है।

उदाहरण के लिए, उदारीकरण के बाद, कई मंत्रालय किसी हद तक अप्रासंगिक हो गए हैं, जैसे कि इस्पात और खनिज मंत्रालय, जो वास्तव में व्यवसाय से जुड़े मामलों का काम करते हैं। वास्तव में, भारत में केन्द्रीय सरकार के ऐसे अप्रासंगिक मंत्रालयों की पहचान करने के लिए प्रयास किए गए थे, लेकिन इसका कोई विशेष लाभ नहीं हुआ।

डॉनल्ड ट्रम्प और उनके सरकारी पुनर्गठन के चयन में भारी अंतर है। एलन मस्क और रामास्वामी दोनों ही बुद्धिजीवी और व्यवसायी हैं। एलन मस्क गहरे विचारशील माने जाते हैं और उन्होंने अक्सर एक विचारक के रुप में एकाकी जीवन व्यतीत किया है। वे जीवन और ब्रह्मांड के रहस्यों पर सोचते रहते हैं और इन विषयों पर काफी पढ़ते हैं।

रामास्वामी ने हार्वर्ड विश्वविद्यालय से डिग्री प्राप्त की है। इसके बाद उन्होंने येल विश्वविद्यालय से कानून की डिग्री भी ली। एक आइवी लीग के छात्र के रुप में रामास्वामी ने सरकारी आकार को कम करने और इसे छोटा करने के लिए अभियान चलाया। वे एक आप्रवासी परिवार से आते हैं, जिनके माता-पिता

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- हालांकि, ट्रम्प ने केन्द्रीय सरकार का कार्य क्षेत्र कम करने का काम अपने मित्र एलन मस्क व बुद्धिजीवी मैनेजमैंट विशेषज्ञ रामास्वामी को सौंपा, तथा ऐसा माना जा रहा है कि, सबसे पहले कैंची सोशल सैक्टर व सेना के विशाल बजट पर चलने की आशंका है।
- एलन मस्क का दावा है कि अमेरिका का केन्द्रीय बजट, जो लगातार 6.5 ट्रिलियन डालर है, में वो अपने खर्च कम करने के प्लान के मार्फत लगभग दो ट्रिलियन डॉलर बचा सकेंगे। उनके इस प्लान से दर्जनों सरकारी एजेन्सियों व विभागों को बन्द कर दिया जायेगा, तथा लाखों लोगों की छंटनी होगी।

ऊधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लाइन का संचालन फिर लटका

रेलवे सेफ्टी कमिश्नर ''लोड डिफ्लैक्शन टैस्ट'' के बाद फिर से सुरक्षा सम्बंधी टैस्ट करेंगे

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 नवम्बर। लंबे समय अनिर्णित, 272 कि.मी. लंबी ऊधमपुर श्रीनगर बारामुला रेल लाइन की कम्पलीशन डेट को एक बार फिर अप्रत्याशित कारणों से आगे खिसका दिया गया है। तारीख आगे करने का कारण यह संभावना है कि रेल्वे सेफ्टी के कमिश्नर, ''लोड डिफ्लैक्शन टैस्ट'' करने के बाद सेफ्टी सर्टिफिकेशन टैस्ट फिर से करेंगे।

यह प्रोजैक्ट तीन दशकों से चल रहा है तथा कई बार इसकी डैडलाइन निकल चुकी है और इसकी लागत भी बहुत बढ़ गई है। इसे 1994-95 के बजट में शामिल किया गया था और 2015-16 में इसकी अनुमानित लागत 25,100 करोड़ रु. दी थी, जो 2022 में बढ़कर 28,000 करोड़ हो गई थी। अधिकारियों ने संकेत दिया कि अब इसकी लागत 40,000 करोड़ रु. तक पहुंचन की उम्मीद है।

योजना पर धीमी प्रगति है, पर महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हो गई है। कुल 272 किलोमीटर में से 161 किलोमीटर पर काम पूरा हो गया है और बचे हुए 63 किलोमीटर लम्बे कटरा-संगलदान सैक्शन में काम पूरे होने के करीब है।

गत वर्ष फरवरी में प्रधानमंत्री मोदी ने 48 किलोमीटर लम्बे बनिहाल संगलदान सैक्शन का उद्घाटन किया था। इस लाइन की सभी 38 सुरंगे, जिसमें 12.75 किलोमीटर लम्बी भारत की सबसे लम्बी सुरंग टी-49 भी शामिल है, पूरी हो चुकी है तथा 39 पुलों में से मात्र एक पर काम चल रहा है, कटरा संगलदान सैक्शन के सभी चार भाग पूरे हो गए हैं।

गत वर्ष जून में भारतीय रेल्वे ने चिनाब ब्रिज पर सफल ट्रायल किया था। यह विश्व का सबसे ऊंचा रेल आर्च ब्रिज है जो संगलदान और रेआसी के बीच

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- लोड डिफ्लैक्शन टैस्ट किसी रेल पुल की लचीली क्षमता और सुरक्षा का आकलन करने के लिए किया जाता है। इसमें पुल पर रेल की गति और वजन पर पुल की प्रतिक्रिया का आकलन किया जाता है।
- 272 किलोमीटर लम्बी इस रेल लाइन पर तीन दशकों से काम चल रहा है तथा इसकी लागत 25 हजार करोड़ रु. से बढ़कर 40 हजार करोड़ रु. हो गई है। निकट भविष्य में भी इसके पूरे होने की संभावना नज़र नहीं आ रही है।

गौवंश तस्कर की जमानत रद्द करने की याचिका सुप्रीम कोर्ट में

जयपुर, 14 नवंबर। राज्य सरकार ने उत्तर प्रदेश निवासी आदतन गौवंश तस्कर नजीम खान को, 21 अक्टूबर को मिली जमानत रद्द करवाने के लिए सुप्रीम कोर्ट में रिव्यू पिटीशन दायर की है। रिव्यू पिटीशन में राज्य सरकार ने आरोपी को जमानत देने वाला आदेश वापस लेकर उसे रद्द करने का आग्रह किया है।

राज्य के ए.ए.जी. शिवमंगल शर्मा ने बताया कि आरोपी के खिलाफ राजस्थान गोवंश अधिनियम और पशु क्रूरता अधिनियम के तहत कई मामले दर्ज हैं। उस पर उत्तर प्रदेश में भी गिरोह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- राजस्थान सरकार ने आरोपी की जमानत के आदेश को रद्द करने का रिव्यू पिटीशन दायर किया। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार के वकील का वकालत नामा नहीं आने के कारण जमानत दी थी।

हाईकोर्ट ने 26 हजार प्राइमरी स्कूल शिक्षकों की बर्खास्तगी के आदेश दिये

ममता बनर्जी सरकार के शिक्षा मंत्री इस स्कैम में पहले ही गिरफ्तार हो चुके हैं, तथा जेल में बन्द हैं

- अंजन रॉय -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 14 नवंबर। कलकत्ता हाई कोर्ट ने आज, तृणमूल कांग्रेस के पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग द्वारा नियुक्त किए गए 26 हज़ार प्राइमरी स्कूल टीचरों को बर्खास्त करने के आदेश दिए हैं।

मानो तृणमूल कांग्रेस सरकार और पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी की मुसीबतों का जैसे अंत ही नहीं है, कलकत्ता हाई कोर्ट ने आज एक विनाशकारी निर्णय जारी किया, जिसमें पूर्व न्यायाधीश अभिजित गांगुली के आदेश की पुष्टि की गई।

उच्च न्यायालय ने, राज्य के स्कूलों में की गई, 26 हज़ार से अधिक शिक्षकों की नियुक्तियों को रद्द करने वाले, न्यायमूर्ति गांगुली के आदेश को बरकरार रखा है।

पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग ने भर्ती परीक्षा तथा समस्त प्रक्रिया आयोजित की थी, जिसे एक उम्मीदवार ने चुनौती दी थी। इस उम्मीदवार को नियुक्ति से वंचित कर दिया गया था।

यह बात सामने आई कि स्कूल सेवा आयोग ने ब्लैक लिस्टेड शैडो कंपनियों के माध्यम से अपारदर्शी भर्ती प्रक्रिया अपनाई थी। जस्टिस गांगुली के समक्ष प्रस्तुत प्रथम दृष्टया जांच रिपोर्ट में गंभीर अनियमितताएं सामने आई थीं। जैसे कि, जिन उम्मीदवारों ने अधिक अंक प्राप्त किए थे, उन्हें बाहर कर दिया गया था और उन उम्मीदवारों को लिया गया था जिन्हें एस. एस. सी. परीक्षाओं में बहुत कम अंक मिले थे।

यह ''जॉब फॉर कैश'' घोटाला था और चयन प्रक्रिया में शामिल लोगों ने अयोग्य उम्मीदवारों को नियुक्ति देने के लिए रिश्वत ली थी।

इन प्रारंभिक निष्कर्षों के आधार पर अदालत ने सी. बी. आई. को व्यापक जांच के निर्देश दिए थे। जांच के दौरान, सी. बी. आई. टीम शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी के दरवाज़े पर पहुंची और उनके एक घर से करीब 60 लाख रुपये की नकदी बरामद की।

शिक्षा मंत्री के घर में पाए गए इतने अधिक कैश को देख कर समस्त राज्य अचंभित था कि, अनियमितताएं किस हद तक हुई हैं।

राज्य शिक्षा मंत्री, पार्थ चटर्जी को गिरफ्तार कर लिया गया और इस समय वो और उनकी गर्लफ्रैंड जेल में हैं। तृणमूल कांग्रेस ने इन भारी अनियमितताओं से दूरी बनाने के लिए तुरंत ही मंत्री को निष्कासित कर दिया था।

फिर भी, राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने यह कहते हुए, अपरोक्ष रूप से इन घोर अनियमितताओं का समर्थन किया था, कि जिन्हें नियुक्ति दे दी गई है उन्हें हटाना नहीं चाहिए। इसका मतलब हुआ कि योग्य उम्मीदवार बिना नौकरी के रहते। भारी संख्या में उम्मीदवार, जिन्हें नियुक्ति नहीं मिली, वो पिछले दो वर्षों से ''धरने'' प्रदर्शन कर रहे हैं।

यह निर्णय ऐसे समय पर आया है जब देश में कई जगह चुनाव प्रक्रिया जारी है, ऐसे में अदालत द्वारा सरकार की भर्ती प्रक्रिया की जबरदस्त निंदा का आम जनभावना पर कुछ तो असर होगा। हाई कोर्ट के निर्णय के जवाब में ममता बनर्जी ने उन उम्मीदवारों को आश्वस्त करने कोशिश की जो बर्खास्त कर दिए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- ममता बनर्जी सरकार अब तक ''जॉब फॉर कैश'' स्कैम में इन शिक्षकों को बचाने का प्रयास ही करती दिख रही है। सरकार इन सभी नियुक्ति पत्रों को रद्द कर पुनः पूरी प्रक्रिया निष्पक्ष भाव से पूरी करके पुराने नियुक्तियों को रद्द करके, नई नियुक्तियां करने के आदेश को रुकवाने की पूरी कोशिश में ही रही है।

आप के महेश खींची दिल्ली के महापौर बने

नई दिल्ली, 14 नवंबर । आम आदमी पार्टी के महेश खींची दिल्ली के नए मेयर चुने गए हैं। गुरुवार को हुए मतदान में खींची को 133 और भाजपा को 130 वोट मिले। दो पार्षदों का वोट अवैध घोषित किया गया। पीठासीन अधिकारी सत्या शर्मा के सीट पर पहुंचते ही सिविक सेंटर में हंगामा शुरू हो गया। जानकारी के अनुसार, कांग्रेस पार्षदों ने सदन में हंगामा किया। कांग्रेस पार्षदों ने आप के मेयर पर दलितों का हक़ मारने का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। कांग्रेस के सभी 8 पार्षदों ने सदन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- आप पार्टी को 133 वोट मिले और भाजपा को 130 वोट मिले। कांग्रेस के 8 पार्षदों ने मतदान का बहिष्कार किया।

क्या राजफैड ने ऑरिगो और श्री शुभम् लॉजिस्टिक को फायदा पहुंचाने के लिए बनाया कृषि उपज के भंडारण का ''मूवमेंट प्लान''?

मामला प्रदेश में अक्टूबर माह से शुरू हुई समर्थन मूल्य पर दलहन और तिलहन की खरीद और भंडारण से जुड़ा है

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 14 नवम्बर। क्या राजफैड ने ऑरिगो और श्री शुभम लॉजिस्टिक को फायदा पहुंचाने के लिए कृषि उपज के भंडारण का ''मूवमेंट प्लान'' बनाया है? यह सवाल इसलिए उठ रहा है क्योंकि, राजफैड ने गत 18 अक्टूबर से खरीफ की फसलें जिनमें दहलन व तिलहन शामिल हैं, को खरीदना शुरू किया और उन्हें राजस्थान राज्य भंडारण निगम के गोदामों में रखने का एक ''मूवमेंट प्लान'' बना लिया। जिसके बारे में कोई भी जानकारी ना तो भंडारण निगम के अफसरों को दी गई और ना ही यह प्लान बनाने से पहले उनके गोदामों की क्षमता, बीमा, सुविधा व खाली जगह के बारे में कोई जानकारी ली गई।

चर्चाएं हैं कि किसानों से समर्थन मूल्य पर खरीदा हुआ दलहन व तिलहन का यह भारी-भरकम स्टॉक भंडारण निगम के उन गोदामों में रखने की बात कही जा रही है, जिनका इंश्योरेंस तक नहीं करवाया हुआ है। ऐसे में यहां अगर कृषि उपज का जो खराबा होगा, उसके लिए भंडारण निगम ही जिम्मेदार होगा। जबकि निगम ने करीब 60 प्रतिशत गोदाम पी.पी.पी. मोड पर संचालन के लिए ऑरिगो कॉमोडिटीज़ और श्री शुभम लॉजिस्टिक को सौंप रखे हैं।

इनमें से श्री शुभम लॉजिस्टिक के गोदामों में रखी जाने वाली कृषि उपज का पर्याप्त बीमा नहीं कराया हुआ, जबकि ऑरिगो कॉमोडिटीज़ का इंश्योरेंस तो गत 2 अक्टूबर से ही खत्म हो चुका है, जिसे अभी तक रिन्यू भी नहीं कराया गया है। ऐसे में इन गोदामों में रखी जाने वाली हजारों करोड़ों रु. की कृषि उपज अगर किसी दुर्घटना में नष्ट होती है अथवा चोरी होती है या सड़ती है तो उसका कोई मुआवजा भी नहीं मिल सकेगा।

राजफैड के अधिकारियों द्वारा ''मूवमेंट प्लान'' बनाने से पहले अगर भंडारण निगम से उनके गोदामों के बारे में जानकारी ले ली जाती तो यह कृषि उपज सिर्फ सरकारी गोदामों में प्राथमिकता से पहुंचती, जहां इश्योरेंस कवर पूरा है। इसके अलावा सरकारी सुविधाएं भी मौजूद है। इन गोदामों के किराये के तौर पर चुकायी जाने वाली भारी भरकम राशि भी निजी कंपनियों के बजाय सरकारी कोष में जाती।

गौरतलब है कि राजफैड ने गत 22 अक्टूबर 2024 को यह ''मूवमेंट प्लान'' बनाकर अपने विभाग के अजमेर, बीकानेर, जोधपुर, कोटा, उदयपुर और श्रीगंगानगर के क्षेत्रीय अधिकारियों को भेजा था। इस प्लान के बारे में कोई भी जानकारी भंडारण निगम

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- दरअसल राजफैड ने 18 अक्टूबर से खरीफ की फसलें खरीदना शुरू की, परंतु फसलों के भंडारण से संबंधित ''मूवमेंट प्लान'' को बनाने से पूर्व ना तो भंडारण निगम के अफसरों को सूचना दी गई और ना ही गोदामों की क्षमता, बीमा, सुविधा व खाली जगह के बारे में कोई जानकारी ली।
- ऐसे में किसानों से खरीदी गई यह उपज भंडारण निगम के उन गोदामों में भी पहुंचेगी, जिनका संचालन ऑरिगो कॉमोडिटीज़ और श्री शुभम लॉजिस्टिक कंपनी पी.पी.पी. मोड पर करती है, कृषि उपज रखने के लिए। इन कंपनियों ने बीमा तक नहीं करवा रखा है।
- राजफैड की अनदेखी के कारण दलहन-तिहलन का यह स्टॉक उन गोदामों में भी जायेगा, जहां सुरक्षा, इंश्योरेंस कवर और भराव क्षमता नहीं है। ऐसे में आनन-फानन में निजी गोदामों का सहारा लेना पड़ेगा, जिससे सीधा-सीधा बाजार भाव की वृद्धि होगी।

बाल मुकुंदाचार्य के खिलाफ परिवाद में साक्ष्य पेश करने के आदेश

जयपुर, 14 नवंबर। न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रम-14 महानगर द्वितीय, ने शिया समुदाय के इमाम बारगाह में जबरन प्रवेश कर अभद्रता करने के मामले में हवामहल विधायक बालमुकुंदाचार्य सहित अन्य के खिलाफ पेश परिवाद पर सुनवाई करते हुए परिवादी को 28 नवंबर को अपने साक्ष्य पेश करने को कहा है। पीठासीन अधिकारी आयुषी गोयल ने यह आदेश रियाज़ हुसैन के परिवाद पर सुनवाई करते हुए दिए।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- शिया समुदाय की इमाम बारगाह में जबरन प्रवेश कर अभद्रता करने का परिवाद विधायक बालमुकुंदाचार्य के खिलाफ पेश हुआ है।

एस.डी.एम. को थप्पड़ मारने वाला निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा गिरफ्तार

निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा ने समरावता गांव में जबरन वोटिंग का विरोध कर एसडीएम अमित चौधरी को थप्पड़ मारा था

टोंक, (निसं)। देवली-उनियारा में उपचुनाव के दौरान एसडीएम को थप्पड़ मारने वाले निर्दलीय उम्मीदवार नरेश मीणा को गुरुवार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस बुधवार रात से ही नरेश मीणा को गिरफ्तार करने की कोशिश कर रही थी। उत्पात के बाद पुलिस गिरफ्त से नरेश मीणा फरार हो गया था। गुरुवार सुबह अपने समर्थकों के साथ नरेश मीणा गांव वापस लौटा। इसके बाद गुरुवार दोपहर को पुलिस ने नरेश मीणा को गिरफ्तार कर लिया। मीणा ने ग्रामीणों के बीच अपनी सफाई दी और पुलिस के आगे सरेंडर कर दिया।

एसडीएम को थप्पड़ मारने वाले निर्दलीय उम्मीदवार नरेश मीणा को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

- गत रात को यहां जमकर उत्पात हुआ था, गाड़ियों में आग लगा दी गई, पथराव हुआ, पुलिस को भी हल्का बल प्रयोग करना पड़ा था

नरेश मीणा और उनके समर्थकों का आरोप था कि नगरफोर्ट तहसील की ग्राम पंचायत कचरावता के समरावता गांव में मतदान का बहिष्कार किया गया था। बूथ पर जबरन वोटिंग होने पर इसका विरोध कर एसडीएम अमित चौधरी को थप्पड़ मारा था। इसके बाद नरेश मीणा ने प्रशासन के खिलाफ धरना शुरू कर दिया। मामले को बढ़ता देख प्रशासन ने मौके पर अतिरिक्त पुलिस जाब्ता तैनात किया। रात को यहां जमकर उत्पात हुआ। गाड़ियों में आग लगा दी गई, पथराव हुआ, पुलिस को भी हल्का बल प्रयोग भी करना पड़ा था। इस दौरान पूरे इलाके में इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई थी। नरेश मीणा की गिरफ्तारी बाद आरएएस एसोसिएशन अध्यक्ष महावीर खराडी व महासचिव नीतू राजेश्वर ने आपराधिक कृत्य के लिए वांछित धाराओं में शीघ्र चालान की समय सीमा तय करने तथा निर्वाचन आयोग स्तर पर मीणा की अयोग्यता के लिए कार्यवाही की मांग की।

60 नामजद आरोपी गिरफ्तार :- जिला पुलिस अधीक्षक ने बताया कि विधानसभा क्षेत्र देवली उनियारा में विधानसभा उपचुनाव 2024 के दौरान ग्राम समरावता थाना नगरफोर्ट, जिला टोंक में उनके गांव समरावता को उपखण्ड देवली से हटाकर उपखण्ड उनियारा मे शामिल करने की मांग को लेकर मतदान का बहिष्कार किया था। निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा ने उक्त मांग को लेकर ग्रामीणों को साथ लेकर धरना शुरू कर दिया। निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा ने वहां मौजूद एरिया मजिस्ट्रेट अमित चौधरी आरएएस उपखण्ड अधिकारी मालपुरा के थप्पड़ मार दिया था। धरना स्थल से नरेश मीणा बाहर निकला, जिसको पुलिस बल ने हिरासत में लेकर पुलिस वाहन में बिठाया गया तो नरेश मीणा के समर्थकों ने पुलिस पर पथराव शुरू कर दिया, जिसका फायदा उठाकर नरेश मीणा फरार हो गया था। उपद्रवियों ने दो राजकीय वाहन व 7 प्राईवेट चौपहिया वाहन व लगभग 25 मोटरसाइकिलों में आग लगा दी थी। इस मामले में जिला पुलिस की 28 टीमें गठित की गई, अब तक 60 उपद्रवियों को गिरफ्तार किया जा चुका है एवं अन्य नामजद आरोपियों की तलाश जारी है।

कोहरे के चलते चार वाहनों में भिड़ंत, दो दर्जन सवारियां घायल

अत्यधिक धुंध होने से विजिबिलिटी की कमी होने के चलते हुआ हादसा

हनुमानगढ़, (निसं)। कैंटर ट्रक ओवरटेक करते समय सामने से आ रही लोक परिवहन बस से टकरा गया, जिसके चलते बस के पीछे आ रही फॉर्च्यूनर कार भी बस से टकरा गई। इस दौरान एक ट्रैक्टर-ट्रॉली भी हादसे का शिकार हो गई। हादसे में बस सवार करीब दो दर्जन सवारियां घायल हो गई, जिसमें से 5 की हालत गंभीर बताई गई है। हादसा हनुमानगढ़ जिले में गुरुवार सुबह करीब 9:30 बजे हुआ।

जानकारी में सामने आया है कि हादसा अत्यधिक धुंध होने से विजिबिलिटी की कमी होने के चलते हुआ। हादसे के तुरंत बाद आसपास के ग्रामीणों ने बचाव कार्य कर घायलों को एम्बुलेंस की मदद से श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ के अस्पतालों में भर्ती करवाया। श्रीगंगानगर अस्पताल से मिली जानकारी के अनुसार मंजू (50) पत्नी रामकुमार निवासी नेतेवाला, जसप्रीत सिंह (25) पुत्र सुनील निवासी सूरतगढ़ और तुषार (19) पुत्र सुखराम अस्पताल में आपातकालीन सेवा के जरिए भर्ती हुए हैं। जिनका इलाज किया जा रहा रहा।

- ग्रामीणों ने घायलों को एम्बुलेंस से श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ के अस्पतालों में भर्ती कराया

वहीं, श्रीगंगानगर के निजी जनसेवा हॉस्पिटल में मोहिंद्र कुमार (32) पुत्र रामकुमार निवासी ढिंगावाली फाजिल्का पंजाब निवासी को भर्ती करवाया गया है। इसके साथ ही पक्का सारना के पीएचसी में भी करीब चार लोगों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल हनुमानगढ़ रेफर किया गया।

सैन्यकर्मी ने आत्महत्या की

बीकानेर, (निसं)। सदर थाना इलाके में सैन्यकर्मी ने फांसी का फंदा लगाकर अपनी जान दे दी। मिली जानकारी के अनुसार 13 नवंबर की सुबह लांसनायक एम चिन्नाराव पुत्र अप्पाराव निवासी एतम्बरला श्री काकुलम आंध्रप्रदेश हाल आर्मी केंट में अपने क्वार्टर पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली, जिसको नीचे उतारकर पीबीएम अस्पताल भेजा गया, जहां शव को अस्पताल की मोर्चरी में रखा गया और शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव को परिजनों को सौंप दिया।

लालगढ़ में शंटिंग के दौरान दो डिब्बों में टक्कर

बीकानेर, (निसं)। लालगढ़ रेलवे स्टेशन के पास यार्ड एरिया में शंटिंग एरिया में दो यात्री रेल गाड़ियों के डिब्बे एक-दूसरे के ऊपर चढ़ गए। सूचना मिलने के साथ ही रेलवे टीम मौके पर पहुंची। रेलवे पुलिस ने भी मोर्चा संभाला। हालांकि ये मॉक ड्रिल थी। अभ्यास के तौर पर बचाव दल को अलर्ट किया गया।

- एक-दूसरे के ऊपर चढ़े, रेलवे पुलिस ने भी मोर्चा संभाला
- यह मॉक ड्रिल थी, अभ्यास के तौर पर बचाव दल को अलर्ट किया

रेलवे के स्थानीय प्रवक्ता धुनीलाल कुमावत ने बताया कि कभी रेल हादसा होने की स्थिति से निपटने के लिए रेलवे सुरक्षा बल, पुलिस बल और अधिकारी-कर्मचारी कितने अलर्ट हैं? इसे परखने के लिए इस तरह की मॉक ड्रिल होती है। गुरुवार को लालगढ़ में दो डिब्बों को एक-दूसरे के ऊपर रखा गया और इसके बाद ये सूचना प्रसारित की गई कि शंटिंग के दौरान दो डिब्बों में टक्कर हो गई है। डिब्बों में चालीस यात्री है। इसके बाद रेलवे के जिम्मेदारी अधिकारी, कर्मचारी, पुलिस बल व अन्य तुरंत मौके पर पहुंचे। मॉक ड्रिल का पता चलने पर सभी ने राहत की सांस ली। रेलवे के उप मंडल प्रबंधक रूपेश कुमार ने मीडिया को बताया कि ये मॉक ड्रिल थी, जिसमें चालीस यात्रियों को फंसा हुआ बताया गया था। इसके बाद सभी टीमें एक साथ पहुंची और यात्रियों को रेस्क्यू किया गया। रेलवे आमतौर पर इस तरह के ऑपरेशन करता रहता है।

टायर फटने से कार खाई में गिरी, एक की मौत

उदयपुर, (कासं)। गुरुवार को उदयपुर के गोगुंदा-उदयपुर हाईवे पर तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर 100 फीट गहरी खाई में जा गिरी। हादसे में कार सवार एक कंपनी मैनेजर की मौत हो गई।

हादसा गुरुवार सुबह कीर्तिराज होटल के पास हुआ। जब कार गोगुंदा से उदयपुर की ओर आ रही थी। बताया जा रहा है कि इस दौरान अचानक कार का टायर फट गया और कार का ड्राइवर नियंत्रण खो बैठा। कार हाईवे किनारे गहरी खाई में जा गिरी। हाईवे से गुजर रहे लोगों की इस पर नजर पड़ी तो उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। गोगुंदा थाना पुलिस और हाईवे टीम मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली। पुलिस ने क्रेन की मदद से कार को निकलवाया। हादसे में कार सवार यूनिक इंफ्रा इंजीनियर कंपनी के मैनेजर राम सुरेश यादव (50) निवासी गोवर्धन विलास की मौके पर दर्दनाक मौत हो गई, जबकि ड्राइवर लाल शंकर बारोट (25) निवासी डूंगरपुर गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने मृतक के शव को गोगुंदा हॉस्पिटल मोर्चरी में रखवाया। वहीं गंभीर घायल ड्राइवर को तुरंत प्राथमिक उपचार दिलाने के बाद उदयपुर एमबी हॉस्पिटल रेफर कर दिया।

युवक का शव मिला

करौली, (निसं)। करौली के निकटवर्ती रामपुर धाबाई गांव स्थित ओवरहैड पानी की टंकी से एक युवक का शव लटका हुआ मिला। मृतक की पहचान मनीष कुमार कोली निवासी बिलोनी थाना सरमथुरा के रूप में हुई है। युवक गांव से करौली में रहने वाली अपनी बुआ के घर जाने की कहकर निकला था। परिजनों से मिली शिकायत के आधार पर करौली सदर थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। करौली सदर थाना के एएसआई हरफूल ने बताया कि मनीष कुमार कोली (24) पुत्र शंकर लाल कोली निवासी बीलोनी थाना सरमथुरा गत 13 नवंबर को प्रात: आठ बजे करौली के गणेश दरवाजे के पास रहने वाली अपनी बुआ के घर जाने की कहकर निकला था।

साढे नौ वर्ष पुराने तस्करी मामले में तीन जनों को सजा

डोडा-पोस्त तस्करी मामले में आरोपियों को कोर्ट ने सजा सुनाई।

सादुलपुर, (निसं)। अपर जिला सेशन न्यायाधीश क्रम सं.-2 राजगढ़ ने लगभग साढे नौ वर्ष पुराने डोडा-पोस्त चूरा तस्करी मामले में तीन आरोपियों को 7-7 साल कठोर कारावास की सजा से दंडित किया है।

राज्य सरकार की ओर पैरवी कर रहे सुनील बसेरा कालरी अपर लोक अभियोजक क्रम सं.-2 राजगढ़ ने बताया कि 30 मई 2015 को स्थानीय थाने में नियुक्त थानाधिकारी राजवीर सिंह पुलिस दल के साथ गश्त कर रहे थे। तभी गश्त के दौरान सूचना मिलने पर हरियाणा सीमा पर स्थित गोठ्या पुलिस चौकी के पास पहुंचकर हिसार सादुलपुर सड़क पर नाकाबंदी शुरू की तथा शाम को राजगढ़ की ओर से एक इंडिका कार पंजाब नंबर की आई हुई दिखाई दी। जिसके चालक को पुलिस ने जांच के लिए रोकने का संकेत दिया तो कार चालक ने कार को वापस राजगढ़ की ओर घुमाकर भागने की कोशिश कर फरार होने का प्रयास किया।

- कोट ने 7-7 साल के कठोर कारावास की सजा से दंडित किया

कार चालक बीच सड़क पर कार को खड़ी कर कार चालक तथा कार में सवार लोग दो आरोपियों के साथ कार को छोड़कर अपने हाथ में प्लास्टिक के कट्टे लेकर रेलवे पटरियों की ओर भागने लगे। पुलिस भी पीछा करती हुई तीनों को दबोच लिया। पुलिस ने नाम पता पूछा तो कार चालक ने अपना नाम कर्मजीत सिंह पुत्र लक्ष्मण सिंह जट सिख निवासी चहल पटियाला पंजाब तथा साथ वाले व्यक्ति में से एक ने अपना नाम सिकंदर का पुत्र चरण खान निवासी भगवानपुरा जिला फतेहगढ पंजाब तथा तीसरे ने अपना नाम डोंगर खान पुत्र चंदन निवासी भादसो जिला पटियाला पंजाब होना बताया। पुलिस ने आरोपियों के पास से थैलियों में 48 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा पोस्त चूरा बरामद किया गया था।

दो दर्जन से अधिक मतदान केन्द्रों पर पुनर्मतदान की मांग

दौसा, (निसं)। कांग्रेस प्रत्याशी दीनदयाल बैरवा उर्फ डीसी ने गुरुवार को जिला निर्वाचन अधिकारी देवेन्द्र कुमार के नाम एक ज्ञापन उपखण्ड अधिकारी को सौंपकर दो दर्जन से अधिक मतदान केन्द्रों पर पुनर्मतदान कराये जाने की मांग की है।

कांग्रेस प्रत्याशी डीसी बैरवा ने बताया कि बुधवार को तीन बजे तक शांतिपूर्ण तरीके से मतदान चल रहा था, हार से बौखलाकर भाजपा प्रत्याशी जगमोहन मीणा, काबीना मंत्री डॉ. किरोडीलाल मीणा, महवा विधायक राजेन्द्र मीणा, पूर्व मंत्री गोलमा देवी, लालसोट विधायक रामबिलास मीणा, जमवारामगढ़ विधायक महेन्द्रपाल मीणा ने तकरीबन 1 हजार से अधिक बाहरी असामाजिक तत्वों के साथ तकरीबन 60 से अधिक बूथों पर सामुहिक रुप से कब्जा कर लिया तथा भाजपा के पक्ष में मतदान किया। विरोध करने पर कांग्रेस के समर्थकों के साथ मारपीट की तथा उन्हें धमकाया। उन्होंने बताया कि फर्जी मतदान को लेकर जिला निर्वाचन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक, चुनाव पर्यवेक्षक, राज्य निर्वाचन अधिकारी सहित अन्य अधिकारियों के यहां खूब शिकायत दर्ज कराई इसके बावजूद जिला एवं पुलिस प्रशासन फर्जी मतदान रोकने में नाकाम रहा है। उन्होंने बताया कि तीन बजे बाद प्रशासन एवं पुलिस के आला अधिकारी राज्य सरकार के दबाव में आ गये, जिसके चलते वे कार्यवाही करने में असक्षम रहे। उन्होंने मतदान दल कार्मिकों पर फर्जी मतदान में सहयोग करने का आरोप लगाते हुये मतदान केन्द्रों पर लगाये गये सीसीटीवी व बेवरिकोर्डिंग को सार्वजनिक करने की मांग करते हुये उनके खिलाफ भी कार्यवाही किये जाने की मांग की है। उन्होंने बताया कि फर्जी मतदान को लेकर सोशल मीडिया पर सैकड़ों वीडियो वायरल हो रहे हैं।

किसान वर्ग का संगठित रहना राष्ट्रवाद के लिए जरूरी : उपराष्ट्रपति धनखड़

अजमेर, (कासं)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने गुरूवार को पुष्कर में आयोजित 105वें राष्ट्रीय जाट अधिवेशन में कहा कि किसानों को कृषि उत्पादों के विपणन पर भी ध्यान देना चाहिए। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने अपने संबोधन में कहा कि किसान समुदाय को बांटने की साजिश करने के प्रयासों को सब मिलकर रोक सकते हैं। किसान समाज की आत्मा है।

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि किसान के बिना समाज की कल्पना मुश्किल है। किसानों के लिए 24 घंटे तत्पर रहकर कार्य करने में खुशी मिलेगी। उन्होंने कहा कि किसान समाज की सेवा और पूजा करने में कोई कमी नहीं रखी जाएगी। किसान वर्ग का संगठित रहना राष्ट्रवाद के लिए सबसे उत्तम है। देश पर संकट आने की स्थिति में किसान अपनी छाती खोलकर संकट का मुकाबला करता है। उन्होंने कहा कि अन्नदाता हमेशा से भारतीय समाज के लिए पूजनीय और वंदनीय रहे हैं। श्री वीर तेजाजी महाराज, महाराजा सूरजमलजी, राजा महेंद्र प्रताप, सर छोटूराम एवं नाथूराम मिर्धा ने किसान वर्ग का मार्गदर्शन किया है। ये हमारे देश की शक्ति का प्रतीक है। परिवार में बुजुर्गों का दायित्व नई पीढ़ी को नैतिक मूल्य प्रदान करना है। महिला शिक्षा को समाज में बढ़ाए जाने की आवश्यकता है।

पुष्कर दौरे के दौरान उपराष्ट्रपति ने ब्रह्मा मंदिर में दर्शन किए।

वहीं पुष्कर दौरे के दौरान उपराष्ट्रपति ने ब्रह्मा मंदिर एवं जाट शिव मंदिर में भी दर्शन किए एवं वीर श्री तेजाजी और श्री एनआर मिर्धा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर वीर तेजा कल्याण बोर्ड मध्यप्रदेश के अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण एवं संरक्षक हरसुख पूनीयां उपस्थित रहे। केन्द्रीय कृषि मंत्री भागीरथ चौधरी ने कहा कि समाज का गौरव बढ़ने से राष्ट्र का विकास होता है। समाज की 36 कौम को साथ लेकर चलने से देश का तेजी से विकास होगा। शिक्षा के बिना जीवन अधूरा ही नहीं शून्य है। इसलिए महिला शिक्षा पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

- उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने पुष्कर में आयोजित 105वें राष्ट्रीय जाट अधिवेशन में शिरकत की

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का किशनगढ़ एयरपोर्ट पर स्वागत किया गया। इस अवसर पर केन्द्रीय कृषि मंत्री भागीरथ चौधरी, जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत, आरके मार्बल से विमल पाटनी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महमूद द्वारा अभिनन्दन किया। इसी प्रकार पुष्कर हैलिपेड पर केन्द्रीय कृषि मंत्री भागीरथ चौधरी, जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत, पुष्कर नगर परिषद के सभापति कमल पाठक, जिला कलक्टर लोक बन्धु, पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा, पूर्व सांसद ज्योति मिर्धा, पूर्व विधायक रिछपाल मिर्धा, पूर्व जिला प्रमुख रामस्वरूप चौधरी, पूर्व प्रधान रामकरण कमेडिया एवं रामकुमार लाम्बा ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का अभिनन्दन किया।

छावसरी के युवक की हत्या, सीथल के पास मिली लाश

गुढ़ागौड़जी, (निसं)। गुढ़ागौड़जी थाना इलाके के छावसरी गांव के युवक की हत्या का आरोप लगा है। मृतक का शव सीथल के पास मिला है। पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक तौर पर संभावना जताई जा रही है कि अज्ञात लोग युवक को गांव से उठाकर ले गए और फिर पीट-पीटकर उसे मौत के घाट उतार दिया।

जानकारी के अनुसार छावसरी निवासी सुनील पुत्र नाथूराम कुमावत की बुधवार रात को अज्ञात लोगों ने पीट-पीट कर हत्या कर दी और शव सीथल से छावसरी आने वाले रास्ते पर सड़क किनारे डाल गए। गुरुवार सुबह ग्रामीणों ने शव देखा तो गांव में सनसनी फैल गई एवं गुढ़ागौड़जी पुलिस को सूचना दी। सूचना पर नवलगढ़ डिप्टी व गुढ़ागौड़जी थानाधिकारी राममनोहर मय जाब्ता पहुंचे। मौके पर शव को कब्जे में लेकर गुढ़ागौड़जी सीएचसी की मोर्चरी में रखवाया। मौके पर एफएसएल टीम और डॉग स्क्वायड टीम बुलावा कर जांच शुरू की गई।

थानाधिकारी राममनोहर ने बताया कि मृतक सुनील कुमावत के भाई किशोर ने अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कराया है। परिजनों के अनुसार सुनील बुधवार रात करीब 9 बजे गांव के एक मेडिकल स्टोर की दुकान पर खड़ा था। उसकी बाइक भी वहीं खड़ी थी। रात को वहीं से उसे उठा कर अज्ञात लोग ले गए और हत्या कर दी। मृतक सुनील कुमावत मंगलवार को अपनी मां के साथ मारपीट कर रहा था। जिसकी सूचना उसके परिजनों ने गुढा थाने में दी। पुलिस में सुनील को शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार किया था। बुधवार दोपहर को सुनील जमानत पर छूट कर घर आया था। रात को सुनील की हत्या हो गई। सीथल के ग्रामीणों ने बताया कि रास्ते में बीती रात को एक मकान के पास दो लोग एक जने के साथ मारपीट कर रहे थे। जब पड़ौस के मकान वालों ने रोशनी कर देखा तो दोनों लोग अपने साथ एक अन्य युवक को लेकर सीथल की तरफ चले गए। माना जा रहा है कि जिस जगह पर सुनील का शव मिला है, उससे पहले भी दो जगहों पर उसके साथ मारपीट की गई है। मारपीट के दौरान रास्ते में कुछ सामान गिर गया था। जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया। घटना से पहले सुनील द्वारा शराब पार्टी किए जाने की भी अपुष्ट जानकारी मिल रही है, क्योंकि शव के पास एक शराब की बोतल मिली है।

मृतक सुनील के भाई सुरेश ने बताया कि गांव के दो युवक थे। जो दिन में घर पर आकर सुनील के बारे में पूछ कर गए थे। इससे पहले भी सुनील की उनसे कुछ बात हुई थी। इन दोनों ही युवक पर सुनील की हत्या करने का शक जाहिर किया है। पुलिस ने परिजनों के अनुसार दोनों युवकों की तहकीकात की तो दोनों के मोबाइल फोन भी स्विच ऑफ मिले और दोनों घर से फरार थे। पुलिस ने अलग अलग टीमें बना कर संदिग्ध जगहों ओर दबिश देना शुरू कर दिया है।

राजस्थान सरकार
कार्यालय उपनिदेशक महिला एवं बाल विकास विभाग, धौलपुर
जिला परिषद के पास, बाडी रोड, धौलपुर (राज.)
Email id: dddholpur.wcd@rajasthan.gov.in

क्रमांक-लेखा/निविदा/2024-25/1322 **Abridged NIB** दिनांक-12.11.2024

Bids for Distempering and Related Paint Work and Building-As-Learning-Aid (BALA) Painting Work in AWCs of estimated value INR 50.00 Lakhs are invited from interested bidders up to 25.11.2024 till 04:00PM. Other particulars of the bid may be visited on the https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in/ of the state.

UBN No. ICD 2425WS0B00085
NIB No. ICD 2425A0095
e-Proc ID 2024_WECO_430735-1
DIPR/C/11283/2024

(भूपेश गर्ग)
उप निदेशक
महिला एवं बाल विकास विभाग, धौलपुर

कार्यालय नगर निगम, अजमेर
पृथ्वीराज मार्ग, अजमेर (राजस्थान) फोन नं. 0145-2429971, 2429920

क्रमांक :-MEW/2024-25 / 635 दिनांक:-13.11..2024

:: ई-निविदा सूचना संख्या 05/2024-25 (Retender) ::

नगर निगम अजमेर की ओर से नगर निगम अजमेर एवं राजकीय विभाग में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको जो कि केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, डाक एवं दूरसंचार, रेलवे या अन्य राज्य सरकार, केन्द्रीय सरकार के अधिकृत संगठनो जो राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदको के समकक्ष हो (निविदा पात्रता पंजीकरण के नियमो के अनुसार मान्य हो) जो निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से Repair and maintanance of PLC,SCADA,Clorination system etc. at existing 13 MLD STP Anasagar Lake Ajmer.operation and Maintanance period 03 years. कार्यो हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। विस्तृत विवरण वेबसाईट http://www.ajmermc.Org, http://sppp.rajasthan.gov.in & http:/www.eproc.rajasthan.gov.in पर एवं नगर निगम के निर्माण विभाग के कार्यालय में भी देखी जा सकती है।

NIB Code :-ANN2425A0139 and UBN No. ANN2425WSOB00165

अधिशाषी अभियन्ता
नगर निगम अजमेर

राज.संवाद/सी/24/7771

जयपुर विकास प्राधिकरण
इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरु मार्ग, जयपुर-302004

क्रमांक : जविप्रा/अधि. अभि. (उद्यान-I)/2024/डी-861 दिनांक : 14.11.2024

निविदा सूचना

क्रमांक : जविप्रा/अधि.अभि. (उद्यान-I) /18/2024-25

जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा "Development of parks of Saligrampura, Ramnagariya vistar JDA Schemes and other parks in garden-I Area, JDA, JDA, Jaipur" जिसकी अनुमानित लागत राशि रु. 58.04 लाख के लिए ऑनलाईन बिड्स दिनांक 25.11.2024 को सायं 06:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा बोली का ऑनलाईन आवेदन व भुगतान जविप्रा पोर्टल पर करने की अन्तिम तिथि 25.11.2024 को सांय 6.00 बजे तक है। निविदा बोली के दस्तावेजों का विस्तृत विवरण www.sppp.rajasthan.gov.in, www.eproc.rajasthan.gov.in and www.jda.rajasthan.gov. पर देखा जा सकता है।

UBN No.: JDA2425WSOB00379

निविदा में भाग ले वालों को निम्न शर्तों की पूर्ति करनी होगी।

1. निविदादाता जयपुर विकास प्राधिकरण की वेबसाईट www.jda.rajasthan.gov.in पर पंजीकृत हो एवं निविदा में भाग लेने के लिए बोलीदाता को आवेदन करने के लिए दस्तावेज शुल्क, आर.आई.एस.एल. प्रोसेसिंग शुल्क ऑनलाईन जमा करनी होगी।
2. ऑन लाईन निविदा प्रस्तुत करने के लिए निविदा दाताओं का राजस्थान सरकार के ई-प्रोक्यूरमेंट पोर्टल www.eproc.rajasthan.gov.in पर पंजीकृत हो।

Raj.Samwad/C/24/7836 अधिशाषी अभियन्ता (उद्यान-I)

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि. खण्ड खैरवाडा
सा.नि.वि. खण्ड खैरवाड़ा तहसील रोड खैरवाडा 313803
E-Mail:-xenkherwara.pwd@rajasthan.gov.in
E-Mail :- eepwdkherwara@rediffmail.com, Telephone No. 02907-260025

क्रमांक टी.एस./ निविदा/24-25/12 दिनांक : 08.11.2024

निविदा सूचना संख्या 12/2024-25

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से राजस्थान सरकार के ए ए बी "सी" एवं "डी" श्रेणी के संवेदकों एवं केन्द्रीय सरकार / राज्य सरकार व उनके अधिकृत संगठनों में पंजीकृत संवेदकों जो कि राजस्थान सरकार के ए ए बी "सी" एवं "डी" श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो उनसे निर्धारित निविदा प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया हेतु आनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विवरण इन्टरनेट साईट www.eproc.rajasthan.gov.in,www.dipronline.org व http:/sppp.raj.nic.in पर उपलब्ध है।

कुल निविदा के कार्य	3 कार्य
निविदा की लागत	रूपये 178.80 लाख
कुल धरोहर राशि	2 प्रतिशत 3,57,600/- 1/2 प्रतिशत 89,400/-
ऑन लाईन निविदा फार्म मिलने की तारिख	12.11.2024 प्रातः 09.00 बजे से 22.11.2024 सायं 6.00 बजे तक
ऑन लाईन निविदा खोलने की तारिख	25.11.2024 सांय 4.00 बजे से

निविदा से सम्बधित विवरण वेब साईट http:/dipr.rajasthan.gov.in, http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। सम्पूर्ण निविदा प्रकिया http://eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाइन सम्पादित की जावेगी।
निविदा द्वारा धरोहर राशि/निविदा शुल्क / निविदा प्रोसेसिंग शुल्क शासन सचिव वित्त बजट विभाग राजस्थान जयपुर के परिपत्र कमाक प.8 (5) वित्त/सावितेनि/2018 दिनाक 27.04.2020 के अनुसार ई-ग्रास के चालान द्वारा जमा कराना होगा।
निविदा शर्ते- 1. निविदा शर्ते किसी भी दिन कार्यालय दिवस में देखी जा सकती है।
2. चालान रजिस्टर्ड फर्म के नाम से ही जमा करायें।

NIB Code: PWD2425A2574
UBN No:- 1 PWD2425WSOB09438, 2 PWD2425WSOB09440, 3 PWD2425WSOB09441

(एन.एस. डामोर)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड खैरवाड़ा

DIPR/C/11241/2024

सार-समाचार

लाभार्थी पत्र वितरित किए

राजसमंद, (निसं)। विधायक दीप्ति किरण माहेश्वरी ने जिला प्रशासन एवं समाज कल्याण विभाग द्वारा आयोजित "लाभार्थी उत्सव" में भाग लिया और विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत विद्यार्थियों को लाभार्थी पत्र वितरित किए। यह कार्यक्रम पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय में आयोजित किया गया, जिसमें विधायक दीप्ति माहेश्वरी ने कहा कि यह उत्सव राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी की सरकार की जनकल्याण योजनाओं के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। विधायक दीप्ति किरण माहेश्वरी ने पालनहार योजना के अंतर्गत उन परिवारों को आर्थिक संबल प्रदान करने की सराहना की जो निराश्रित बच्चों का पालन पोषण कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह योजना इन बच्चों के भविष्य को सुरक्षित बनाने की दिशा में राज्य सरकार का एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके अतिरिक्त, निर्माण श्रमिक शिक्षण कौशल विकास योजना के अंतर्गत श्रमिक परिवारों के बच्चों को छात्रवृत्ति के लाभार्थी पत्र भी वितरित किए गए। इस अवसर पर "क्षमता संवर्धन पहल" के अंतर्गत सामान्य ज्ञान पर आधारित एक पुस्तिका का विमोचन भी किया गया। इस अवसर पर विधायक दीप्ति माहेश्वरी ने विद्यार्थियों के साथ संवाद करते हुए उन्हें अनुशासन, पुस्तकों के अध्ययन के प्रति रुचि, स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता, और परीक्षा के दौरान आत्मविश्वास बनाए रखने के उपयोगी सुझाव दिए।विधायक दीप्ति किरण माहेश्वरी ने कहा कि ये योजनाएं समाज के कमजोर वर्गों को सशक्त बनाने और बच्चों के उज्जवल भविष्य का निर्माण करने में सहायक सिद्ध होंगी। कार्यक्रम में स्थानीय प्रशासन, समाज कल्याण विभाग के अधिकारी, विद्यालय स्टाफ, और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पूर्व पीएम नेहरू की जयंती मनाई

कपासन, (निसं)। कपासन में नगर कांग्रेस कमेटी की ओर से गांधी वाटिका पूर्व पीएम पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती मनाई गई। कार्यकर्ताओं सहित विद्यार्थियों ने पुष्पांजलि अर्पित की। कार्यकर्ताओं ने पंडित नेहरू के आदर्शों को अपनाते हुए उनके पद चिन्हों पर चलने ओर कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने का संकल्प लिया। नगर कांग्रेस प्रवक्ता और युवा जिला महासचिव विजय बारेगामा ने बताया-नगर कांग्रेस अध्यक्ष शंकर लाल प्रजापत की अध्यक्षता में भारत के विकास पुरुष पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती गांधी वाटिका में मनाई गई। पंडित नेहरू की तस्वीर पर कार्यकर्ताओं और स्कूली छात्र-छात्राओं ने पुष्प माला अर्पित कर पुष्पांजलि दी। कार्यकर्ताओं ने उनके पद चिन्हों पर चलने ओर कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने का संकल्प लिया। निजी स्कूल के कई छात्र-छात्राओं ने भी पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम में भाग लिया।इस अवसर पर पूर्व नगर अध्यक्ष हाजी अब्दुल रहमान मंसूरी , पूर्व बार एसोसिएशन अध्यक्ष मांगीलाल बैरवा, वरिष्ठ लक्ष्मी नारायण व्यास, पूर्व ब्लॉक उपाध्यक्ष अख्तर बुखारी, पूर्व पार्षद शिव शंकर उपाध्याय, नगर महासचिव राकेश बारेगामा, देवेंद्र सेन, मधुसूदन कुमावत, युवा नेता रवि सोनी, अमित मोदी, रामपाल सरगरा, कैलाश , मेवालाल खटीक, जोहरू खान, जावेद हुसैन, शंभूलाल कच्छावा, सत्यनारायण चोटियां, , जिला कांठोस सचिव सतीश नन्दवाना, रमेश गर्ग, नगर प्रवक्ता किशन प्रजापत आदि मौजूद रहे।

डायबिटीज पर वर्कशाप

उदयपुर, (कासं)। पेसिफिक मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल में आयोजित मधुमेह जनजागरूकता सप्ताह के दौरान डायबिटीज पर वर्कशाप का आयोजन किया। वर्कशाप का उद्घाटन पीएमयू के चेयरमेन राहुल अग्रवाल, प्रिसिडेन्ट डॉ.एम.एम.मंगल, पीएमसीएच के प्रिंसिपल डॉ.यू.एस.परिहार, चिकित्सा अधीक्षक डॉ.सुनीता माहेश्वरी,मेडिसिन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ.वी.के.गोयल, डॉ.गिरीश वर्मा, डॉ.जगदीश विश्नोई, डॉ.नीलेश पतीरा एवं डॉ.वीरेन्द्र चौधारी ने किया। वर्कशॉप में मेडिसिन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ.वी.के.गोयल ने मधुमेह बीमारी के कारण,वर्गीकरण एवं निदान के बारे में बताया । डॉ.जगदीश विश्नोई ने गर्भावस्था में मधुमेह के प्रबंधन एवं निदान के बारे मे बताया। बर्कशॉप में मेडिसिन विभाग के प्रोफेसर डॉ.गिरीश वर्मा ने मधुमेह की रोकथाम और निवारण के बारे में कहा कि चिकित्सीय सलाह,नियमित जॉच एवं उपचार द्वारा ही मधुमेह पर नियंत्रण सम्भव है। वर्कशाप में पैनल डिस्क्शन में न्यूरोलॉजिस्ट डॉ.अतुलाभ वाजपेयी, कॉर्डियोलॉजिस्ट डॉ.सी.पी.पुरोहित, नेफ्रोलॉजिस्ट डॉ.मोहित नरेडी एवं फिजिशीयन डॉ.शौकत अली बौहरा ने मधुमेह के नए उपचार तरीकों, डायबिटिक रेटिनोपैथी, न्यूरोलॉजिकल एवं कार्डियोमेटाबोलिक रिस्क फैक्टर्स और डिजिटल हेल्थ के उपयोग पर गहन चर्चा की साथ ही भाग लेने वाले चिकित्सकों को नवीनतम शोध और उपचार विधियों के बारे में जानकारी दी गई, जिससे वे अपने मरीजों को बेहतर चिकित्सा प्रदान कर सकें।

बच्चों का बाजार सजाया

उदयपुर, (कासं)। बाल दिवस के मौके पर गुरुवार को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भूपालपुरा में बच्चों का बाजार सजाया । इस दौरान दुकानदार बने विद्यार्थियों से शिक्षकों ने जमकर खरीददारी की। कार्यवाहक प्रधानाचार्य भावना शर्मा ने बताया कि इस मौके पर विद्यार्थियों ने फतहसागर की पाल पर लगने वाले बाजार का प्रतिरूप बाजार सजाया।

सीएम आज नवादि युगधारा प्रणेता समागम कार्यक्रम में होंगे सम्मिलित

बांसवाड़ा, (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शुक्रवार को जनजातीय गौरव दिवस पर कॉलेज मैदान में आयोजित नवादि युगधारा प्रणेता समागम कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। जिला कलक्टर डॉ. इन्द्रजीत यादव ने बताया कि प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री हेलीकॉप्टर से प्रात: 11 बजे हेलीपेड कॉलेज मैदान कर आएंगे तथा वहां से 11.05 बजे कॉलेज के सामने स्थित मेला मैदान में आएंगे जहां मुख्यमंत्री एवं अतिथियों का गैर नृत्य से स्वागत किया जाएगा।

मुख्यमंत्री 11.10 बजे मेला मैदान में लगाए गए स्टॉल्स एवं प्रदर्शनी का अवलोकन करेंगे। मुख्यमंत्री दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का आगाज करेंगे। मुख्यमंत्री और अतिथियों का स्वागत करते हुए स्मृति चिन्ह भेंट किए जाएंगे। जिला कलक्टर ने बताया कि कार्यक्रम में प्रात: 11.20 बजे प्रधानमंत्री के वर्चुअल प्रोग्राम का ऑनलाइन सीधा प्रसारण होगा। इसके पश्चात् 12.30 बजे मुख्यमंत्री जनजाति समाज में विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त विभिन्न श्रेणियों यथा उन्नत किसान, महिला उद्यमी, शिक्षा, खेल, कला एवं संस्कृति और नवाचार के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले व्यक्तियों को प्रणेता के रूप में सम्मानित करेंगे। कार्यक्रम में बजट घोषणा 2024-25 की क्रियान्विति स्वरूप सामुदायिक वनाधिकार गतिविधियों एवं वन प्रबंधन के लिए

जनजाति गौरव दिवस पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम को लेकर आयोजन स्थल का जायजा लेते महेन्द्रजीतसिंह मालवीया, भाजपा जिलाध्यक्ष लाभचन्द पटेल, जिला कलक्टर डॉ इन्द्रजीत यादव एवं अन्य जिलाधिकारी।

गोविन्द गुरू जनजातीय क्षेत्रीय विकास योजना की रूपरेखा का विमोचन, राजीविका सखियों को चौक वितरण किया जाएगा।

इस अवसर पर केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबुलाल खराडी, पूर्व मंत्री महेन्द्रजीत सिंह मालवीया के उद्बोधनों के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा उद्बोधन देंगे। आभार की रस्म गढी विधायक कैलाश मीणा अदा करेंगे। दोपहर 1.27 बजे राष्ट्रगान के साथ समारोह सम्पन्न होगा तथा 1.30 मुख्यमंत्री प्रस्थान कर जाएंगे। जनजाति गौरव दिवस पर मुख्यमंत्री के आतिथ्य में होने वाले राज्य स्तरीय कार्यक्रम एवं समारोह को लेकर आयोजन स्थल का पूर्व केबिनेट मंत्री महेन्द्रजीतसिंह मालवीया, भाजपा जिलाध्यक्ष लाभचन्द पटेल, जिला कलक्टर डॉ इन्द्रजीत यादव, जिला पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला, अतिरिक्त जिला कलक्टर अभिषेक गोयल ने तैयारियों व व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए अधिकारियों को निर्देश दिये। इन लोगों ने सभास्थल, हैलीपेड, प्रर्दशनी स्थल आदि की तैयारियों को देखा।

युवती का शव मिला

डूंगरपुर, (निसं)। युवती का शव मिलने के मामले में गुरुवार को पहचान हो गई है। 2 महीने पहले मजदूरी के लिए गुजरात गई थी। कोतवाली थाना इलाके के गेपसागर झील में युवती का शव मिलने के मामले में गुरुवार को पहचान हो गई है। युवती डूंगरपुर शहर निवासी थी। जो 2 महीने पहले मजदूरी के लिए गुजरात गई थी। बुधवार शाम को उसका शव झील में मिला था। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कार्यालय नगरपालिका नाथद्वारा, जिला-राजसमन्द(राज.)

Email: np_ntd@yahoo.co.in, nagarpalikanathdwara@gmail.com Ph. 02953-233526

क्रमांक/न.पा.नाथ/SBM/2024-25/12856 दिनांक : 13.11.2024

-: सार्वजनिक सूचना :-

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगरपालिका नाथद्वारा (800598) क्षेत्र के समस्त वार्डो के अन्तर्गत निर्मित होने वाले सभी सेप्टिक टैंक के निर्माण में राष्ट्रीय भवन सहिता IS:2470 (Part-I & II) का पालन करना अनिवार्य होगा तथा नगरपालिका के समस्त सेप्टिक टैंक/पीट का डीसलेजिंग पालिका द्वारा या अधिकृत सेवा प्रदाता द्वारा ही प्रत्येक तीन वर्ष में अनिवार्य रूप से आवश्यक होगा। नगरपालिका क्षेत्र मे स्थित सभी डीसलेजिंग ऑपरेटर को सेप्टिक टैंक से एकत्रित फिकल सलज को आम नाली/नाले व अन्य खुली जगह पर बहाने/खाली करने पर राजस्थान नगरपालिका (ठोस अपशिष्ट प्रबंधन) उपविधियां 2019 अनुसार जुर्माना वसूला जाकर नियमानुसार कार्यवाही अमल में लाई जावेगी। इसके साथ ही समस्त व्यक्तिगत सेवा प्रदाता को सूचित किया जाता है कि बिना पंजिकरण डीसलेजिंग का कार्य निषेध होगा एवं उलघनं करने पर नियमानुसार कार्यवाही की जावेगी। डीसलेजिंग कार्य उपरान्त निकलने वाले मल (कीचड़) को नगरपालिका क्षेत्र में स्थित एफ.एस.टी.पी. प्लांट में खाली किया जावे। सूचित रहे।

आयुक्त
नगरपालिका नाथद्वारा

राज.संवाद/सी/24/7783

कमांडेंट कार्यालय 162 बटालियन सीमा सुरक्षा बल, बडगांव
(पीओ), कविता कैंप, उदयपुर, राजस्थान

सं. Prov/610/162 Bn/नीलामी/2024/1467987

नीलामी सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, नीचे हस्ताक्षरकर्ता, इस इकाई के प्रभार में रखे गए निम्नलिखित अनुपयोगी भंडार को 30 नवंबर 2024 (शनिवार) को लगभग 11.00 बजे बीएन मुख्यालय 162 बीएन बीएसएफ, कैंप कविता, कविता गांव के पास, पोस्ट ऑफिस बड़गांव जिला उदयपुर (राजस्थान) - 313011 में नीचे उल्लिखित नियमों और शर्तों के अनुसार सार्वजनिक नीलामी के माध्यम से निपटाया जाएगा।

अनुपयोगी/निष्प्रयोज्य दुकानों का नाम

क्र.सं	सरकारी स्टोर	क्र.सं	सरकारी स्टोर
1	संचार भंडार	6	बर्तन का सामान
2	विविध आइटम	7	ऑफिसर मेस स्टोर
3	निर्माण शाखा	क्र.सं.	निजी स्टोर
4	बैरक संपत्ति	1	कल्याण भंडार
5	एमटी स्टोर		

नियम व शर्तें-

1. सभी इच्छुक एवं पात्र बोलीदाता निर्धारित समय पर नीलामी में भाग ले सकते हैं।
2. राजस्थान राज्य में उसी दिन बैंड / स्ट्राइक होने की स्थिति में नीलामी अगले दिन आयोजित की जाएगी।
3. नीलामी में भाग लेने वाले सभी इच्छुक बोलीदाताओं/पार्टियों को 10,000/- रुपये की सुरक्षा राशि जमा करनी होगी, जो नीलामी के बाद उन्हें वापस कर दी जाएगी, सिवाय सफल बोलीदाताओं
4. दुकानों को सबसे अधिक बोली लगाने वाले को नकद भुगतान पर बेचा जाएगा। लागू होने पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) अतिरिक्त लिया जाएगा। सफल बोलीदाता को नीलामी समाप्त होते ही अपने खर्च पर दुकानों को इस स्थान से उठाना होगा।
5. यदि सफल बोलीदाता नीलाम की गई सामग्री को परिसर से तुरंत नहीं उठाता/एकत्र नहीं करता तो उसकी बयाना राशि जब्त कर ली जाएगी और उसे सरकारी खजाने में जमा कर दिया जाएगा।
6. कमांडेंट 162 बीएन बीएसएफ को बिना किसी अनुमति के किसी भी बोली को स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित है। किसी भी कारण से
7. नीलामी में भाग लेने से मना किया जाएगा। अन्य नियम व शर्तें, यदि कोई हों, नीलामी के समय सूचित की जाएंगी।
8. कार्ड रखने वाले बोलीदाताओं को नीलामी में भाग लेने की अनुमति होगी।
9. बीएन बीएसएफ द्वारा सामान के स्थानांतरण के लिए कोई परिवहन उपलब्ध नहीं कराया जाएगा।
10. बोलीदाताओं को नीलामी के दौरान राजस्थान सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों/प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन करना होगा।

162 बीआर बीएसएफ के
गोमांडेंट के लिए

CBC 19110/11/0066/2425

बैठक सम्पन्न

राजसमंद, (निसं)। जिला मुख्यालय स्थित कृषि विज्ञान केन्द्र पर 31वीं वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता कुलपति महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय उदयपुर डॉ अजीत कुमार कर्नाटक ने की।

डॉ अजीत कुमार ने बताया कि किसान कृषि के साथ प्रसंस्करण की नवीन तकनीकों को अपनाकर अपनी आमदनी बढायें तथा फल एवं सब्जी की उपयोगिता एवं उत्पादन के बारे में विस्तार पूर्वक बताया। निदेशक प्रसार शिक्षा निदेशालय उदयपुर डॉ आरएल सोनी ने बताया कि किसान तकनीकी ज्ञान को अपनाकर उन्नत बागवानी एवं सब्जी उत्पादन द्वारा अधिकतम उपज प्राप्त कर आत्मनिर्भर बन सकते हैं। निदेशक अटारी जोधपुर, जोन-द्वितीय डॉ जेपी मिश्र ने विभागों के अधिकारियों का आव्हान किया कि दूर-दराज में बैठे हुये किसानों को पूरा-पूरा तकनीकी लाभ मिले।

गुम हुए चालीस लाख के जेवरात पीड़ित को लौटाए

- बेटी की शादी के लिए बनाए थे जेवर
- कार की डिकी से चार दिन पूर्व गिरे थे जेवरात

उदयपुर, (कासं)। चार दिन पूर्व मुम्बई से भीलवाड़ा जाते समय खेरवाड़ा हाइवे पर कार की डिकी से से गिरा चालीस लाख के जेवरात से भरा बैग खेरवाड़ा पुलिस ने तलाश कर पीडित को लौटाया। इसको लेकर पीडित ने पुलिस टीम का सम्मान किया।

प्रकरण के अनुसार 9 नवंबर को वालचंद माधवलाल सोनी निवासी नेरूल नवी मुम्बई पटकार अपार्टमेंट जिला थाणा ने खेरवाड़ा पुलिस थाने में रिपोर्ट दी। जिसमें उसने बताया कि 8 नवंबर को मैं मुम्बई से गांव भीलवाड़ा जाने के लिए कार से रवाना हुए।बीच रास्ते खाण्डीओवरी टोल नाका के आगे लघुशंका के लिए रूका था। इस दौरान कार में रखा खाने का बैग डिकी में रखना था जो भूलवश जेवरात का बैग रख कर भीलवाड़ा के लिए रवाना हुआ। बीच रास्ते में बस वाले ने कार की डिकी खुली होने एवं बैग गिरने की बात कही। इस पर कार को रोक देखा तो जेवरात से भरा बैग गिरने का पता चला। इस पर वापस टोल नाका तक पहुंच कर पडताल की तो एक व्यक्ति को बैग मिलने एवं उसमें सोने चांदी के जेवरात थे,उसके द्वारा उक्त बैग के समंबध में पूछताछ करने की जानकारी सामने आई। बैग में करीब चालीस लाख के सोने चांदी के जेवरात थें। इसकी जानकारी मिलने पर जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंजना सुखवाल, पुलिस उप अधीक्षक राजीव राहर के निकट पर्यवेक्षण में खेरवाड़ा थानाधिकारी दिलीपसिंह झाल के नेतृत्व में एएसआई किशोर कुमार, हेड कांस्टेबल राकेश मेहता, कांस्टेबल मनविंदर, भरत, मयंक, दिग्विजय, अशोक मय टीम ने चार दिन तक अनुसंधान में मिले साक्ष्यों के आधार पर एक बाइक सवार जीवन पुत्र तेजा मीणा निवासी बंजारिया खेरवाड़ा से संपर्क किया।

विद्यार्थियों ने व्यंजन व गेम जोन की स्टाल लगाई

उदयपुर, (कासं)। देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती बाल दिवस के अवसर पर जर्नादन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ के संघटक लोकमान्य तिलक शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय की ओर से महाविद्यालय प्रांगण में संस्कृति मेले 2024 का आयोजन किया गया।

प्रशिक्षणार्थी छात्राध्यापकों को भावी व्यवसायिक जीवन में आने वाले दायित्वों के निर्वहन और भारतीय परंपराओं से रूबरू करवाने के उद्देश्य से आयोजित किए मेले का शुभारंभ कुलपति प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत, सरदार पटेल विवि गुजरात के प्रो. संदीप भट्ट, प्राचार्य प्रो. सरोज गर्ग ने माँ सरस्वती की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर व फीता काटकर किया। मेले में महाविद्यालय के बीएड, बीएड बाल विकास, बीए.बीएड/बी.एससी.बीएड, डीएलएड के प्रशिक्षणार्थियों ने अलग-अलग प्रकार के राजस्थानी व्यंजन दाल-बाटी, राब, दक्षिण भारतीय इडली साभंर, अप्पे और मोमोज जैसे चायनीज व्यंजनों के साथ-साथ मेले का आनंद देने वाले जायके चाट-पकौडी ,चाय शिकंजी के 27 स्टॉल लगाए। इस अवसर पर प्रो. सारंगदेवोत ने वर्तमान समय में बदली जीवनचर्या में पारंपरिक भोजन के स्वास्थ्य लाभ को रेखांकित करते हुए कहा कि हमें पुन: अपने प्राचीन खानपान की ओर लौटना होगा। इस मौके पर डॉ. रचना राठौड, डॉ. बलिदान जैन, डॉ. अमी राठौड , डॉ. सुनीता मुर्डिया सहित विभिन्न विभागों के संकाय सदस्य, मंत्रालयिक कर्मचारी तथा बडी संख्या में विद्यार्थी एवं अभिभावकों ने मेले का आनंद उठाया।

- हमें पुनः प्राचीन खानपान की ओर लौटना होगा : प्रो. सारंगेवोत

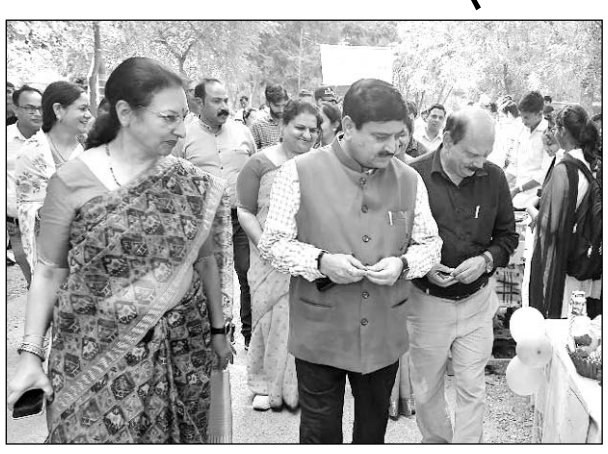

संस्कृति मेलें का अवलोकन करते प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत।

शिक्षक संघ ने मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

उदयपुर, (कासं)। राजस्थान पंचायती राज एवं माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रतिनिधि मंडल ने प्रदेश अध्यक्ष शेर सिंह चौहान की नेतृत्व में जिला प्रशासन के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेज कर जोधपुर के निलंबित किए गए शिक्षकों को बहाल कराने की मांग की है।

संगठन के उदयपुर जिलाअध्यक्ष सतीश जैन व रूपलाल मीणा ने बताया कि सीएम को भेजे ज्ञापन में लिखा है कि लोकतंत्र में सभी को आंदोलन करने और अपनी बात कहने का अधिकार मिला हुआ है। लेकिन पिछले दिनों शिक्षा मंत्री मदन दिलावर की कार्यप्रणाली को लेकर विरोध कर रहे जोधपुर में कार्यरत संगठन के पदाधिकारी शिक्षिका बेबी नंदा को तथा इस से पूर्व अध्यापक श्री शंभू सिंह को निलंबित कर आवाज दबाने की कोशिश की गई थी। संगठन ने मुख्यमंत्री से जोधपुर के दोनों निलंबित किए गए शिक्षकों को जल्द बहाल करवाने की मांग की है। संघ के प्रदेश अध्यक्ष शेर सिंह चौहान ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही दोनों निलंबित किए गए शिक्षकों को बहाल नहीं किया गया तो राज्यव्यापी आंदोलन शुरू किया जाएगा।

कार्यालय नगरपालिका नाथद्वारा, जिला-राजसमन्द(राज.)

Email: np_ntd@yahoo.co.in, nagarpalikanathdwara@gmail.com Ph. 02953-233526

क्रमांक/न.पा.नाथ/SBM /2024-25/12864 दिनांक : 13.11.2024

-: सार्वजनिक सूचना :-

स्वच्छ भारत मिषन के अन्तर्गत ठोस कचरा प्रबंधन नियम 2016 के अनुसार नगर पालिका नाथद्वारा क्षेत्र के सभी वाणिज्यिक क्षेत्र की दुकानो/प्रतिष्ठानो मे गीले एवं कचरे हेतु अलग-अलग कचरा पात्र रखवाये गये है एवं यह सभी कचरा पात्र राहगीरों के लिए उपलब्ध है। सभी दुकान दारो को ये निर्देशित किया जाता है कि अपने कचरा पात्र को राहगीरो को उपयोग करने देवे। इसका उल्लंघन करने पर नगर पालिका नाथद्वारा द्वारा जुर्माना वसूला जायेगा।

आयुक्त
नगरपालिका नाथद्वारा

राज.संवाद/सी/24/7784

कार्यालय नगर पालिका नाथद्वारा, जिला-राजसमन्द (राज.)

क्रमांक/न.पा.ना./तामीर/2024/12805 दिनांक : 14/11/2024

-:आपत्ती सूचना:-

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नांकित व्यक्तियों द्वारा जरिये क्रय शुदा/पट्टा शुदा के आधार पर प्राप्त भूखण्ड/भवन का स्वयं के नाम पर निम्नांकित वर्णित सम्पत्ति पर भवन निर्माण में कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त आवेदन के संबंध में किसी भी हितधारी को कोई आपत्ती हो तो सात दिवस (कार्य दिवस) में नगर पालिका कार्यालय में लिखित रूप से प्रस्तुत कर दें अन्यथा प्रकरण में कोई आपत्ती प्राप्त नहीं होने एवं दस्तावेज पूर्ण पाये जाने पर नियमानुसार कार्यवाही पूर्ण करते हुए उक्त प्रकरणों में आगामी कार्यवाही सम्पादित कर दी जायेगी।

क्र. सं.	आवेदक का नाम/पता	आवेदिक सम्पत्ति का विवरण	पड़ौस पूर्व	पश्चिम	उत्तर	दक्षिण
1	श्री दिलीप पिता श्री अम्बालाल माली	नाकोडा नगर आवासीय कॉलोनी लाल बाग, नाथद्वारा, भूखण्ड संख्या जे 4 जे 5	आम रास्ता 30 फिट चौड़ा	नाथूलाल माली की कृषि भूमि	आवासीय भूखण्ड जे 6	आवासीय भूखण्ड जे 3

आयुक्त, नगर पालिका नाथद्वारा

OFFICE OF GP ROHIMALA
P.S. JHADOL UDAIPUR

DIS.NO-GP ROHI./2024-25/TENDER/271

DATE:-13.11.2024

E-TENDER- 02/2024-25

Gram Panchayat Rohimala invites application for procurement of Construction material suppli Application can be buy and submit 14.11.2024 to 23.11.2024 till 6:00 pm. Detail/ Information can be seen at supp.rajasthan.gov.in.

UBN No.-ZUD2425A1182

SARPANCH
GP Rohimala
P.S.Jhadol, Distt.
udaipur(Raj)

VILLAGE DEVELOPMENT OFFICER
GP Rohimala
P.S.Jhadol, Distt.
udaipur(Raj)

चामुंडा माता के नवनिर्मित मंदिर कलश व ध्वज प्रतिष्ठा तैयारियां जोरों पर

उदयपुर, (कासं)। मावली निकटवर्ती ऐतिहासिक गांव आसोलिया की मादड़ी में श्री चामुंडा माता जी के प्रसिद्ध स्थानक पर एक भव्य मंदिर 51 फीट ऊंचा संगमरमर पत्थर में निर्मित हुआ।

यह स्थान आस पास के दर्जनों गांवों का श्रद्धा केन्द्र है आसोलिया की मादड़ी के अतिरिक्त बोयणा भोपतखेड़ी धर्मेता सुखवाड़ा पावटा , साकरिया खेड़ी, शोभ जी खेड़ा देवाली पालवास भीमल मानमथारा वांगरोदा वाजविया के श्रद्धालु यहां हर रविवार को बड़ी संख्या में दर्शन करने आते हैं। उल्लेखनीय है कि यह मंदिर गांव के स्थापनाकाल से ही भव्य रूप में बना हुआ था जिसे औरंगजेब द्वारा मेवाड़ आक्रमण के समय लगभग 300 तीन सो वर्ष पूर्व मतान्ध सैनिकों ने तोड़ दिया था। आज मा भगवती चामुंडा के प्रेरणा से गांववासियों के सत संकल्प से एवं श्रद्धालु भक्त जनों के अनुपम सहयोग से पुन: निर्मित हुआ है जिसमें मुर्तियां पारम्परिक रूप से प्रतिष्ठित है एवं पूजी जा रही है।

नवनिर्मित मंदिर पर ध्वज दंड,कलश एवं चतुर्दिक पाल की प्रतिष्ठा मार्ग शीर्ष शुक्ला पंचमी संवत् 2081 तदनुसार 6दिसम्बर 2024 शुक्रवार को प्रतिष्ठा होगी। प्रतिष्ठा में नवकुंडीय पंच दिवसीय यज्ञ एवं शतचंडी पाठ होगा पूर्णाहुति 6 दिसंबर 2024 शुक्रवार प्रात: 9:00 बजे एवं धर्म सभा 10-12 बजे रहेंगी।धर्म सभा के बाद महाप्रसादी का आयोजन भी रहेगा। इस पंच दिवसीय प्रतिष्ठा कार्य क्रम में लग भग 10000 दस हजार लोगों के भाग लेने की संभावना है। कार्यक्रम की विशालता को देखते हुए उनके प्रबंधों के लिए लगभग 30उपसमितियां एवं 135 पैंतीस सदस्यीय संचालन समिति का गठन किया गया है। सभी समितियों की व्यवस्था के व्यापक विचार के लिए अलग-अलग बैठकें कर ली गई है।

स्मरणीय है कि 2 दिसंबर 2024 सोमवार से प्रारंभ होने वाले इस पंच दिवसीय प्रतिष्ठा महोत्सव के पहले दिन गांव की माताएं, बहन बेटियों द्वारा जल कलश यात्रा श्री चारभुजा मंदिर से श्री चामुंडा माता मंदिर तक यात्रा रहेंगी

5 दिसंबर 2024 गुरुवार को दिन में 3 तीन बजे से ध्वज दंड कलश एवं चतुर्दिक पाल मुर्तियों की शोभा यात्रा बडे हर्षोल्लास के साथ आयोजित की जाएगी रात्रि को एक लघु भजन संध्या भी रहेंगी।

मीडिया प्रभारी राव गोपाल सिंह आसोलिया ने बताया कि यज्ञमंडप का भूमिपूजन हो गया ओर वेदिकाओं का निर्माण कार्य भी प्रारंभ कर दिया गया है। पंडित खुशवंत कुमार आमेटा (पिंटू महाराज) यज्ञ के आचार्य होंगे उन्हीं की देखरेख में भूमि पूजन सम्पन्न हुआ। भूमि पूजन कार्यक्रम में गांव के सैकड़ों ग्रामीण श्री चामुंडा माता मंदिर के पूजारी एवं गांव के गणमान्य नागरिक वरिष्ठजन उपस्थित रहे।

AU SMALL FINANCE BANK

Registered Office : 19-A Dhuleshwar Garden, Jaipur, Rajasthan, India, 302001.
www.aubank.in

LOAN AGAINST GOLD - AUCTION NOTICE ON "AS IS WHERE IS" BASIS

The below mentioned borrower/s have been issued notices to pay their outstanding amounts towards the loan against gold facilities availed from AU Small Finance Bank Limited ("Bank"). Since the borrower/s has/have failed to repay his/their dues, we are constrained to conduct an auction of pledged gold items/articles on **21 Nov 2024 between 11:00 AM - 3:00 PM (Time)** at below mentioned branches according to the mode specified therein. In the case of deceased borrowers, all conditions will be applicable to legal heirs. Please note that in the event of failure of the above auction, the bank reserves its right to conduct another auction without prior intimation.

E-Auction Branch Details (E-auction will be conducted by using Weblink https://gold.samil.in)

BAGRU - L9001090139193742 L9001090141398170 L9001090440757032 | **BALESAR** - L9001090137651042 L9001090139136002 | **BALOTRA** - L9001090136016942 | **BANSWARA** - 24660000955530 | **BARMER** - L9001090137999221 | **BHILWARA** - 23660001446743 23660002165443 23660002189868 24660000649336 | **BIJAINAGAR** - L9001090140929182 | **BIJOLIYA** - L9001090141486365 L9001090141524893 L9001090141537211 | **CHIRAWA** - L9001090136376277 L9001090136475497 | **CHITTORGARGH** - 23660001893550 | **CHOMU** - L9001090141372721 | **DAUSA** - L9001090138550108 L9001090141003277 | **DELHI GATE UDAIPUR** - L9001090137021871 | **DIDWANA** - L9001090139581076 L9001090441320054 | **DUNGARPUR** - L9001090140940765 L9001090141697463 24660000346126 24660001055106 24660001137173 24660001819940 | **FATEHNAGAR** - L9001090136220482 | **GANGAPUR** - L9001090139512168 | **HATHROI JAIPUR** - L9001090139081984 | **HIRA PANNA MARKET BHILWARA** - L9001090136471678 L9001090139374267 | **JAIPUR-MALVIYA NAGAR** - 24660001581875 24660001716404 24660001844952 | **JAIPUR-TRIVENI NAGAR** - 24660001612279 24660001642832 | **JAITARAN** - L9001090139133613 | **KALWAR ROAD JAIPUR** - L9001090440131261 | **KEKRI** - L9001090136198451 | **KHANDELA** - L9001090137967872 L9001090139506725 L9001090140888358 | **KOTA -GHODE WALA CIRCLE** - 24660000327613 24660000463485 24660000522365 24660000586644 24660001608407 | **KOTPUTLI** - L9001090137628641 | **MERTA CITY** - L9001090136472221 L9001090139216531 L9001090139598803 L9001090140679463 | **NAGAUR** - L9001090141057323 | **NOKHA** - 24660000776286 | **PALLU** - L9001090136379223 | **PAOTA** - L9001090136576990 L9001090136945813 L9001090140557813 | **PHALODI** - L9001090136143662 L9001090136841961 L9001090141224007 | **PRATAP NAGAR JAIPUR** - L9001090140726420 L9001090140894231 | **PRATAPGARH** - L9001090136406049 | **RATANGARH** - 24660001267447 | **RAWATSAR** - L9001090136452677 | **SAGWARA** - L9001090136414105 23660001992293 | **SALUMBER** - L9001090140679763 | **SANGOD** - L9001090138187430 | **SARDARSHAHAR** - L9001090139141922 | **SAWAI MADHOPUR** - 23660002379211 24660000328071 24660000328871 | **SHRI DUNGARGARH** - L9001090136376317 L9001090139601026 | **SHRI GANGANAGAR** - L9001090136221245 L9001090139510352 L9001090139676699 | **SIKAR** - L9001090440884102 | **SRI VIJAINAGAR** - L9001090136437385 L9001090440968700 | **SUBHASH NAGAR JAIPUR** - L9001090141537861 L9001090141732675 | **TONK ROAD JAIPUR** - L9001090139455119 |

Note: The auction is subject to certain terms and conditions mentioned in the bid form, which is made available before the commencement of auction.

Sd/-
Manager
AU Small Finance Bank Limited

महिलाओं से भरा ऑटो रिक्शा पलटा, आधा दर्जन महिलायें घायल

निर्माणाधीन फैक्ट्री पर मजदूरी के लिए ऑटो में सवार होकर जा रही थी महिलायें

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के मांडल थाना क्षैत्र के कमालपुरा के समीप ऑटो के पलटने से आधा दर्जन महिलाएं घायल हो गई। घायलों को 108 एंबुलेंस से उपजिला अस्पताल मांडल पहुंचाया, जहां चार मरीजों की गंभीर स्थिति होने से उन्हें जिला अस्पताल पहुंचाया।

जानकारी के अनुसार सभी महिलाएं हमेशा की तरह अपने गांव ईंटमारिया से मांडल के समीप शाहपुरा चौराहे पर निर्माणाधीन फैक्ट्री पर काम करने के लिए आती है। गुरुवार सुबह भी सभी महिलाएं ऑटो में बैठकर जा रही थी कि ऑटो के सामने से अचानक कुत्ते के दौड़कर आ जाने से ऑटो का नियंत्रण बिगड़ गया, जिससे ऑटो रोड़ से उतर कर पलट गया। ऑटो के पलटने से एकाएक अफरा-तफरी मच गई। हो-हल्ला होने पर आसपास से लोग पहुंचे। घायल महिलाओं को निकाला और 108 को सूचित किया। मौके पर पहुंचे 108 पायलेट हनीफ मोहम्मद और नर्सिंगकर्मी गिरिराज पायक ने घायलों को 108 एंबुलेंस से उपजिला अस्पताल मांडल पहुंचाया, जहां चार मरीजों की गंभीर स्थिति होने से उन्हें जिला अस्पताल पहुंचाया। जिनमें समता देवी (40), नंदू देवी (35), हिना पुत्री फारुख (16), मनभर देवी पत्नी धन्ना माली, निवासी ईटमारिया को रेफर किया गया। इनमें हीना के सिर में चोट आने से उसकी स्थिति गंभीर बताई जा रही है। अन्य घायलों को प्राथमिक उपचार करके छोड़ दिया गया।

घायल महिलाओं को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया।

■ ऑटो के सामने से अचानक कुत्ते के दौड़कर आ जाने से हादसा हुआ

पाली में ट्रक ने बाइक सवार पिता-पुत्री को चपेट में लिया :- पाली में हाइवे पर तेज रफ्तार से आ रहे ट्रक ने बाइक सवार पिता-पुत्री को चपेट में लिया। ट्रक का चक्का ऊपर से गुजरने से 65 वर्षीय पिता की मौके पर ही कुचले जाने से दर्दनाक मौत हो गई वही 48 वर्षीय बेटी भी घायल हो गई। जिसका पाली के बांगड़ हॉस्पिटल में उपचार जारी है। पुलिस ने मृतक की बॉडी मोर्चरी में रखवाई।

हॉस्पिटल चौकी प्रभारी पुखराज पटेल ने बताया कि हादसा हाइवे पर मंडिया क्रॉस पर हुआ। तेज रफ्तार से आ रहे ट्रक ने बाइक सवार पिता-पुत्री को टक्कर मार दी। हादसे में पाली जिले के वडेरावास (खैरवा) निवासी 65 वर्षीय शिवलाल पुत्र पनाराम घांची की दर्दनाक मौत हो गई। उनके ऊपर से ट्रक का चक्का निकल गया, जिससे उनकी बॉडी का काफी हिस्सा कुचल गया। वहीं उनकी 48 वर्षीय बेटी मंडिया गांव निवासी शांतिदेवी पत्नी नेनाराम घांची भी घायल हो गई, जिनका पाली के बांगड़ हॉस्पिटल में उपचार जारी है। दोनों पिता-पुत्री ढाबर गांव से मंडिया आ रहे थे। इस दौरान तेज रफ्तार से आ रहे ट्रक ने उन्हें चपेट में ले लिया। मृतक की बॉडी पुलिस ने हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखवाई। घटना की जानकारी मिलने पर बड़ी संख्या में मृतक के परिजन व परिचित बांगड़ हॉस्पिटल पहुंचे।

छह माह से फरार वाहन चोरी का आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने गांव आने पर आरोपी को दबिश देकर दबोचा

खेतड़ी, (निसं)। बबाई पुलिस ने वाहन चोरी के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी पिछले छह माह से फरार चल रहा था, जिसे पुलिस ने गांव आने पर दबिश देकर दबोच लिया।

थानाधिकारी सरदारमल यादव ने बताया कि थाना क्षेत्र के वांछित अपराधियों की धरपकड़ को लेकर सीकर एसपी भूवन भूषण यादव के निर्देश पर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस वाहन चोरी के मामले में फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार करने को लेकर उसके संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही थी। इस दौरान पुलिस को मुखबिर के जरिए सूचना मिली कि चोरी के मामले में फरार चल रहा आरोपी का अपने गांव आया हुआ है, जिस पर एसपी ने एक विशेष टीम का गठन कर आरोपी को गिरफ्तार करने के निर्देश दिए। पुलिस की टीम जब आरोपी के गांव पहुंची तो उसने पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किया, जिस पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर वाहन चोरी के मामले में फरार चल रहे ढुढाणिया की ढाणी तन संजयनगर निवासी मुकेश कुमार पुत्र सुणाराम को गिरफ्तार कर लिया।

थानाधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी से गहनता से पूछताछ की जा रही है तथा क्षेत्र में हुई चोरियों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। इस दौरान टीम में थानाधिकारी सरदारमल यादव, एचसी जयप्रकाश, कांस्टेबल राजेश कुमार, मुकेश कुमार आदि शामिल थे।

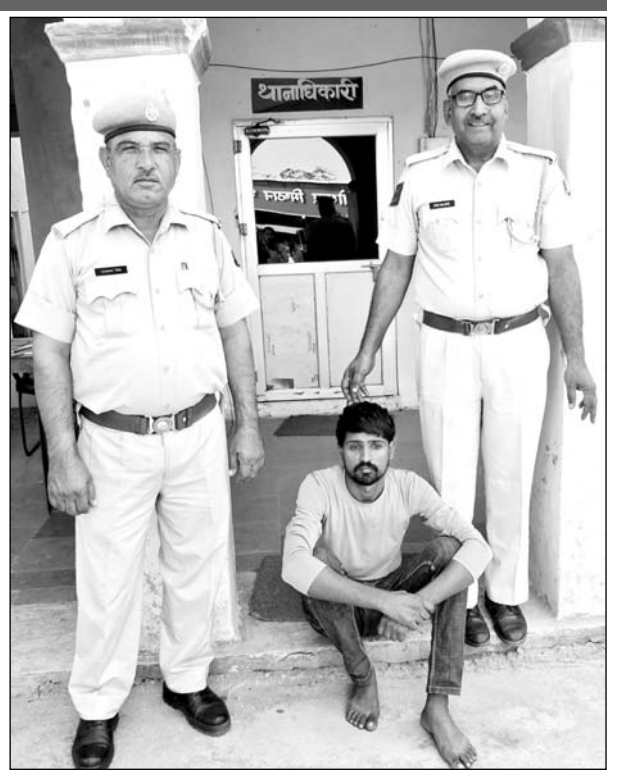

पुलिस ने वाहन चोरी के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया।

अलग-अलग सड़क हादसों में तीन घायल

पाली, (नि.सं.)। पाली में गुरुवार को तीन अलग-अलग सड़क हादसों में तीन जने घायल हो गए। जिन्हें उपचार के लिए पाली के बांगड़ हॉस्पिटल लाया गया, जहां उनका उपचार जारी है।

पहला हादसा पाली के गुंदोज गांव के निकट हुआ, जिसमें रांग साइड से आ रहे ट्रक ने मिनी ट्रक को टक्कर मार दी। हादसे में मिनी ट्रक पलट गया, जिससे मिनी ट्रक का ड्राइवर अलवर जिले के उजौली गांव निवासी संजय (55) पुत्र रामावतार ब्राह्मण घायल हो गया, जिसे 108 से उपचार के लिए पाली के बांगड़ हॉस्पिटल लाया गया। मिनी ट्रक मं स्पेयर पार्ट्स भरे हुए थे। ड्राइवर अहमदाबाद से मावल (हरियाणा) जा रहा था। इस दौरान यह हादसा हो गया।

सादड़ी-घाणेराव के बीच तेज रफ्तार जीप ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में मगरतलाब (देसूरी) निवासी 30 साल का दिनेशसिंह पुत्र गिरधारीसिंह रावत घायल हो गया। जिसके पैर में गंभीर चोट लगी। जिसका पाली के बांगड़ हॉस्पिटल में उपचार जारी है। इसी तरह मारवाड़ जंक्शन क्षेत्र के हिंगोला-सुगालिया गांव रोड पर लोडिंग टेम्पो और बाइक में टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार गजनीपुरा गांव निवासी 34 साल का दिनेश पुत्र सोहनलाल नायक घायल हो गया जिसे लोडिंग टेम्पो का ड्राइवर उपचार के लिए मारवाड़ जंक्शन हॉस्पिटल ले गया।

मरणोपरांत नेत्रदान कराया

मदनगंज-किशनगढ़, (निसं)। क्लब 100 की प्रेरणा से प्रेरित परिजनों ने दुःखद घड़ी में मरणोपरांत नेत्रदान कराया। पुराना शहर निवासी पन्नालाल बाफना के आकस्मिक निधन पर परिजनों ने जरूरतमंद को नेत्रज्योति उपलब्ध कराने के उदेश्य को लेकर सहज भाव से पुनीत कार्य में भागीदारी सुनिश्चित की।

क्लब 100 किशनगढ़ की प्रेरणा से नेत्रदान करवाया गया। परिजन तारा देवी बाफना, पदम, कपिल, अंकित, राजेंद्र, संजय, नेमीचंद कवाड़, सुरेन्द्र बाफना, अरविंद छाजेड़, अनीता महनोत, सरिता कोठारी ने विशेष सहयोग किया। नेत्रदान प्रक्रिया आई बैंक सोसाइटी के डॉ.भरत शर्मा, कुलदीप शर्मा, आकाश ने संपन्न कराई।

ट्रैक्टर के हल चोरी की वारदात का खुलासा

पुलिस ने दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया

पावटा, (निसं)। प्रागपुरा पुलिस ने ग्राम मण्ढा में घर के बाहर ट्रैक्टर के हल की चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है।

जिला कोटपूतली बहरोड पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यंत ने बताया कि प्रागपुरा थाना प्रभारी राजेश कुमार के नेत्तृत्व में गठित टीम द्वारा चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए दिनेश कुमार पुत्र श्योराम गुर्जर निवासी दसवाली तन मण्ढा व राजेश कुमार पुत्र गीलाराम गुर्जर निवासी ढाणी बासावाली तन पाथरेडी थाना प्रागपुरा को गिरफ्तार किया एवं प्रकरण में अनुसंधान जारी है। मामले को लेकर प्रागपुरा थाना प्रभारी राजेश कुमार मीणा ने बताया कि मण्ढा निवासी परिवादी सरदारमल पुत्र राधाकिशन जाट ने प्रागपुरा थाना में प्रकरण दर्ज करवाया कि 4 सितंबर को घर के बाहर ट्रैक्टर के हल रखे थे। उनको रात्रि में कोई अज्ञात व्यक्ति चोरी कर ले गया।

अजमेर बस स्टैंड पर चेन स्नेचिंग

अजमेर, (कासं)। सिविल लाइन थाना क्षेत्र के रोडवेज बस स्टैंड पर गुरुवार को एक बार फिर चेन स्नेचिंग की वारदात हुई। पुलिस गश्त को धता देते हुए नकबजन बैखोफ वारदात को अंजाम रहे हैं। चित्तौडगढ़ निवासी एक महिला पुष्कर मेले में जाने के लिए अजमेर बस स्टैंड उतरी थी। भीड़ का फायदा उठा नकबजनों ने महिला के गले से दो तोला सोने की चेन चुरा ली। पीड़ित महिला की शिकायत पर सिविल लाइन थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर एएसआई सुआलाल को जांच सौंपी गई है। सिविल लाइन थाने के हैड कांस्टेबल रामनिवास ने बताया कि चित्तौड़गढ़ निवासी हेमा देवी पुष्कर मेले में जा रही थी। अजमेर रोडवेज बस स्टैंड पर उतरने के बाद पुष्कर जाने लिए जैसे ही बस में सवार हो रही थी, उसकी दौरान भीड़ का फायदा उठा अज्ञात नकबजन दो तोला सोने की चेन तोडक़र फरार हो गए। पुलिस बस स्टैंड पर लगे सीसी टीवी कैमरे खंगाल रही है।

युवक के साथ मारपीट, अस्पताल में भर्ती कराया

भीण्डर, (निसं)। भीण्डर के चांदपोल दरवाजे के बाहर निवासी युवक के साथ पड़ोसी युवक ने धार्मिक आयोजन को लेकर मारपीट कर दी, जिससे युवक के सिर व हाथ में गंभीर चोंटे आई।

■ पड़ोसी युवक ने धार्मिक आयोजन को लेकर मारपीट की थी

जानकारी के अनुसार भीण्डर निवासी मोईन खान पिता अजीज खान (22) गुरूवार सुबह साठडिया बाजार स्थित आटा चक्की पर काम कर रहा था। इस दौरान भीण्डर निवासी लकी पिता हारून पठान ने अचानक हमला कर दिया और हाथ में पहन रखी फेंट से सिर व हाथ पर वार करके गंभीर घायल कर दिया, जिसके बाद मोईन खान को तुरंत भीण्डर चिकित्सालय ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार करके उदयपुर के लिए रेफर कर दिया। मोईन खान की तरफ से भीण्डर पुलिस थाने में दी रिपोर्ट में बताया कि प्रत्येक माह चांदपोल दरवाजे के बाहर धार्मिक आयोजन करवाते हैं जिसमें सभी को आमंत्रित करते है।

इस कार्यक्रम में मंसुरी समाज के लोगों को बुलाने को लेकर लकी और मोईन के बीच में बहस हो गई। इसके चलते गुरूवार सुबह मोईन खान पर लकी पठान ने हमला कर दिया, जिससे मोईन के सिर व हाथ में गंभीर चोट आई। वहीं दूसरी तरफ लकी पठान की माता शेरबानू की तरफ से मोईन खान के परिवार के खिलाफ भीण्डर पुलिस थाने में रिपोर्ट दी गई, जिसमें मोईन खान के परिवार की महिलाओं द्वारा लड़ाई-झगड़ा करना बता रखा है।

आरएएस अधिकारी से मारपीट का विरोध

आईटी कर्मचारियों ने जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा को ज्ञापन सौंपा

सीकर, (निसं)। देवली-उनियारा विधानसभा क्षेत्र के बूथ संख्या 183 पर निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा द्वारा मतदान के दौरान निर्वाचन कर्तव्य का निर्वहन कर रहे उपखण्ड अधिकारी अमित चौधरी के साथ हुए दुर्व्यवहार एवं मारपीट की घटना के बाद राज्यभर में अधिकारी व कर्मचारी संगठनों में भारी रोष व्याप्त है। सीकर में भी आईटी विभाग के कर्मचारियों ने जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा को ज्ञापन सौंपकर घटना के प्रति विरोध प्रकट किया है।

आईटी यूनियन सीकर के जिलाध्यक्ष राकेष थालौड़ ने बताया कि यह घटना राजकार्य एवं निर्वाचन कार्य में बाधा उत्पन्न करने की श्रेणी में आती है एवं चुनाव प्रक्रिया के दौरान किसी प्रत्याशी के द्वारा आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन भी है। इस प्रकार की अप्रिय घटनाएं एवं कृत्य चुनावी प्रक्रिया में कर्तव्य का निर्वहन कर रहे समस्त अधिकारियों एवं कार्मिकों के मनोबल को क्षीण करते हैं। राजस्थान अधिनस्थ कम्प्यूटर कर्मचारी संघ जिला सीकर के दर्जनों कार्मिकों ने गुरूवार को ज्ञापन सौंपकर दोषी व्यक्ति के विरूद्ध तत्काल कानूनी कार्यवाही करने की मांग की। इस दौरान महावीर बुरड़क, महेन्द्र चैधरी, अरविन्द शर्मा, रामनरेश ढाका, प्रवीण जांगिड़, महावीर बड़केशिया, सत्यवीर खालिया, डालूराम बुरड़क, सांवरमल जाट, संदीप नायक, सनंदन शर्मा, मनीष अग्रवाल, सुरेन्द्र वर्मा, लोकेन्द्र सिंह, अशोक कुल्हरी सहित दर्जनों कर्मचारी उपस्थित थे।

सीकर में आईटी विभाग के कर्मचारियों ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर विरोध प्रकट किया।

तीन युवक शांतिभंग में गिरफ्तार

सादुलपुर, (निसं)। राजगढ़ थाना पुलिस ने गश्त के दौरान तीन युवकों को शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार किया है। वहीं तीनों गिरफ्तार युवकों को बुधवार को न्यायालय में पेश किया गया। थानाधिकारी पुष्पेन्द्र झाझडिया से मिली जानकारी में सुभाषचन्द्र हैड कांस्टेबल गश्त कर रहे थे। जैसे ही वे गश्त करते हुए कस्बा राजगढ़ में तारानगर पुलिया के पास पहुँचे तो तीन युवक पुलिस की जीप को देखकर छिपने लगे, जिनको रोककर नाम पता पूछा तो एक ने अपना नाम मोनू पुत्र शमशेर सिंह जाट निवासी वार्ड नं.1 राजगढ़, दूसरे ने मुकेश पुत्र सुभाष जाटनिवासी वार्ड नं. 1 राजगढ़, तीसरे ने अपना नाम मनेष पुत्र सुरेश कुमार जाट निवासी राघाबड़ी होना बताया। तीनों युवकों से पूछताछ की तो कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया, जिस पर तीनों युवकों को पुलिस ने शांतिभंग में गिरफ्तार कर लिया।

स्मैक तस्कर सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया

13 ग्राम अवैध स्मैक एवं एक बाइक जब्त की

करौली, (निसं)। स्मैक के तस्कर एवं अवैध स्मैक खरीद फरोख्त और बेचने वाले मनोज कुमार प्रजापत सहित तीन लोगों को सदर थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर 13 ग्राम अवैध स्मैक एवं एक मोटरसाइकिल को जब्त कर लिया है।

इन दिनों जिले में अवैध स्मैक के बढ़ते कारोबार को लेकर जिला पुलिस अधीक्षक बृजेश ज्योति उपाध्याय के निर्देशन में चल रहे धरपकड़ अभियान के तहत करौली सदर थाना अधिकारी चंचल शर्मा, लांगरा थाना अधिकारी वासुदेव प्रसाद के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने स्मैक के सरगना मनोज कुमार प्रजापत को जयपुर से गिरफ्तार किया है। पुलिस उपाधीक्षक अनुज शुभम ने बताया कि स्मैक सप्लाई के आरोपी ई-मित्र के माध्यम से रूपयों का लेन-देन करते थे। मुख्य सरगना मनोज कुमार के तार झालावाड़ से जुड़े हुए हैं।

उन्होंने बताया कि मनोज के कहने पर स्मैक की सप्लाई देने वाले आरोपी ओपेश कुमार उर्फ पप्पू प्रजापत निवासी जिला चोंद थाना आंगई जिला धौलपुर को गिरफ्तार किया गया उन्होंने बताया कि मुकदमे में जब्तशुदा वाहन जिससे स्मैक सप्लाई की जाती थी मोटरसाइकिल के मालिक रामनरेश गुर्जर पुत्र रामपाल गुर्जर निवासी टीकैतपुरा थाना सदर करौली को करौली से गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि रामवीर द्वारा अपने कब्जे में अवैध मादक पदार्थ स्मैक की खरीद-फरोख्त के बारे में पूछा गया तो उक्त व्यक्ति द्वारा अवैध मादक पदार्थ स्मैक को मनोज प्रजापत के मोबाइल नंबर के माध्यम से खरीद कर लाना बताया।

सूने मकान से सोने-चांदी के जेवर व नकदी चोरी

उदयपुर, (कासं)। झाड़ोल थाना पुलिस ने सूने मकान का ताला तोड़कर सोने-चांदी के जेवरात व नकदी चोरी करने वालें बदमाशों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित सुरेशसिंह पुत्र अमरसिंह सिसोदिया निवासी गोरण ने झाड़ोल पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया, जिसमें उसने बताया कि मैं गत दिनों उदयपुर काम से गया था। 13 नवंबर को लौटा तो मकान का ताला टूटा हुआ एवं कमरों में सामान बिखरा पड़ा था। तलाशी ली तो सोने चांदी के जेवरात व 50 हजार रूपये नकदी गायब थी। चोरी गए माल की सूची बाद में देने की रिपोर्ट दी है। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया है, जिसकी जांच एएसआई जयविरसिंह कर रहे हैं।

मंदिर से नकदी चोरी :- सुखेर थाना पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ मंदिर से नकदी चुराने का प्रकरण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार शहर के सुखेर थाना क्षैत्र रूपनगर में स्थित हनुमान मंदिर का बुधवार रात में अज्ञात चोर ताला तोड़कर अंदर घुसकर दानपेटी का ताला तोड़कर नकदी चुरा ले गए। दूसरे दिन गुरूवार को इसकी जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने पीड़ित सुखेर निवासी ओमप्रकाश की रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

हाइवे से केबल चोरी :- वहीं गोगुन्दा थाना पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ हाइवे पर लगी विद्युत केबल चुरा ले जाने का प्रकरण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड पवस के कनिष्ठ अभियंता अभियंता शारोपा अहारी पुत्र अन्रोवन अहारी ने अज्ञात चोरों के खिलाफ पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें बताया कि 12 नवंबर को अज्ञात चोर वण्डी क्षैत्र में रोड़ किनारे लगे एसीएसआर नंगर कंडक्टर 8034 मीटर चुरा ले गए। इस मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

नवजात की मौत

उदयपुर, (कासं)। शहर के एमबी चिकित्सालय में उपचाररत नवाजात की मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार एमबी चिकित्सालय में उपचाररत नवजात की उपचार के दौरान मौत हो गई। उक्त नवजात को परसाद थाना पुलिस ने सुखेर थाना क्षैत्र में स्थित राजकीय शिशुगृह में रखवाया था। उसके बाद से उसकी तबीयत खराब होने से उपचाररत थी। एएसआई खुमाणसिंह ने मृतका का पोस्टमार्टम करवा अंतिम संस्कार करवाया।

ब्रह्म चौदस पर साधु संतों ने पुष्कर सरोवर में शाही स्नान किया

कार्तिक पूर्णिमा पर महास्नान आज, लाखों श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगाएंगे

अजमेर/पुष्कर, (कासं)। तीर्थ नगरी पुष्कर में चले रहे अंतर्राष्ट्रीय पुष्कर मेले में गुरुवार को ब्रह्म चौदस पर देश भर से आए साधु संतों ने सरोवर के सप्त ऋषि घाट पर शाही स्नान कर सम्पूर्ण मानव जाति के कल्याण और देश में खुशहाली की मनोकामना की। कार्तिक पूर्णिमा के पदम् योग के संयोग में शुक्रवार को पुष्कर सरोवर में महास्नान के साथ धार्मिक मेले का सामपन होगा। पूर्णिमा महास्नान के लिए श्रद्धालुओं का रेला गुरुवार की दोपहर बाद से उमड़ने लग गया। देर शाम तक लाखों श्रद्धालु पुष्कर पहुंच गए और उनके आने का सिलसिला जारी है। शुक्रवार अलसुबह ब्रह्म मुहूर्त में पूर्णिमा पर सरोवर में महास्नान होगा जो पूरे दिन भर चलेगा।

जानकारी के अनुसार गुरुवार को ब्रह्म चौदस (बैकुंठ चतुर्दशी) पर साधु संतों ने पुष्कर सरोवर में शाही स्नान किया और देश की खुशहाली की कामना की। देश भर से विभिन्न सम्प्रदाय के मंडलेश्वर महंत मठाधीश संत महात्मा अखाड़े के अधिकारी अपने शिष्यों के साथ बैंड बाजे ढोल नगाड़े के साथ सरोवर के तट पर पहुंचे व शास्त्रोक्त परम्परा से वेद मंत्रोच्चार के साथ सरोवर में डुबकी लगाई और दान-पुण्य किया। पंडित कैलाशनाथ दाधीच ने बताया कि इस बार पद्मक योग भी है। गुरुवार की रात्रि से पूर्णिमा रात्रि तक पद्मक योग है। सप्त ऋषि घाट पर पहुंचने के बाद संतों का सामाजिक कार्यकर्ता अरुण पाराशर व उनकी टीम ने अगवानी की। सेन पीठाधीश्वर संत अचलानंदचार्य राम रमैया आश्रम के महंत प्रेमदास महाराज, तपस्वी महामंडलेश्वर हरिरामदास महाराज के सानिध्य में सैकड़ों साधु समाज ने सरोवर में शाही स्नान कर भजन कीर्तन के साथ सरोवर की परिक्रमा की।

कार्तिक ब्रह्म चतुर्दशी गुरुवार को सुबह ब्रह्मा मंदिर में ब्रह्मा-गायत्री का वेदिक मंत्रोचारण के बीच अभिषेक कर सृष्टि रचियता ब्रह्माजी का मनमोहक श्रृंगार किया गया। पुजारी कृष्णगोपाल वशिष्ठ ने बताया कि चतुर्दशी के उपलक्ष्य में विभिन्न राज्यों से मंगाए गए सुंगधित फूलों से ब्रह्मा जी का मनमोह श्रृंगार किया गया। वहीं सुबह मंदिर के कपाट खुलते ही मंगला आरती के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ गया।

स्नान के लिए उमड़ने वाली भीड़ के मद्देनजर जिला एवं पुलिस प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद हो गया। कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था के माकूल बदोबस्त किए गए हैं। ब्रह्माजी मंदिर 52 घाटों एवं मुख्य मंदिरों में सुरक्षा की कमान आला अफसरों को कार्यापालक मजिस्ट्रेट के रूप में सौंपी गई है। इसके अलावा चप्पे-चप्पे पर पुलिस आरएएसी के जवान तैनात किए गए है। मुख्य स्थानों पर सशस्त्र जवान तैनात किए गए हैं। घाटों पर सिविल डिफेंस, पुलिस मित्र टीम एनडीआरएफ एवं गोताखोरों की व्यवस्था की गई है।

वहीं श्रद्धालुओं ने सरोवर स्नान व ब्रह्मा मंदिर दर्शन के बाद कपालेश्वर मंदिर के पास लगे झूले सर्कस मौत के कुएं जादू व मारवाड़ी खेलों की ओर रुख किया। इसके चलते मेला क्षेत्र में मेलार्थियों का हुजूम लगा रहा व मेले में सजी दुकानों में जमकर खरीददारी की। दूसरी ओर मेला मैदान में पशुपालन पर्यटन व जिला प्रशासन की ओर से आयोजित प्रतियोगिताओं व सांस्कृतिक कार्यक्रमों में दर्शकों का भारी जमावड़ा लगा रहा। वहीं खेलकूद प्रतियोगिताओं में देशी-विदेशी पर्यटकों ने दमखम दिखाया।

वहीं कस्बे के जोगणिया धाम व निंबार्क पीठ के परशुराम द्वारा में गुरुवार बैकुंठ चतुर्दशी को विराजित आराध्य देव की विशेष पूजा अर्चना अभिषेक के बाद मनमोहक श्रृंगार किया गया। छप्पन भोग की झांकी सजाकर महाआरती की गई व कदंब भोग का प्रसाद वितरण किया गया।

पुष्कर के सप्तऋषि घाट पर संतों ने शाही स्नान किया।

मेला मैदान में खेलकूद प्रतियोगिताओं में देशी-विदेशी पर्यटकों ने दमखम दिखाया।

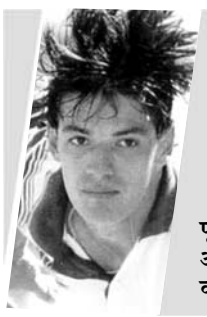

मुझे लगता है कि भारत बल्लेबाजी क्रम में संघर्ष करने जा रहा है और मुझे लगता है कि जैसा कि मैंने कहा कि हम उन्हें पहले टेस्ट मैच में 4 दिनों में हरा देंगे। - ब्रैंडन जूलियन

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी, भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाले मैच को लेकर भविष्यवाणी करते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

सानिया मिर्जा

भारत की स्टार टेनिस प्लेयर सानिया मिर्जा के संन्यास को काफी समय हो चुका है। लेकिन वे अभी भी एक्टिव रहती हैं। हाल ही में सानिया को दुबई में एक अहम जिम्मेदारी सौंपी गई। दरअसल, उन्हें और पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह को एक खास सम्मान दिया गया। सानिया मिर्जा को दुबई का स्पोर्ट्स एम्बेसडर बनाया गया है। वे यहां खेल को आगे बढ़ाने के लिए काम करेंगी, उनके साथ-साथ हरभजन सिंह को भी ये पद मिला है। सानिया और भज्जी के लिए दुबई में एक खास कार्यक्रम आयोजित किया गया। सानिया मिर्जा अक्सर दुबई जाती रहती हैं।

क्या आप जानते हैं ?... टेस्ट क्रिकेट इतिहास का पहला टेस्ट इंग्लैंड व ऑस्ट्रेलिया के मध्य 1877 में मेलबोर्न में खेला गया था। इसे ऑस्ट्रेलिया ने 45 रन से जीता था।

भारत की नजरें सीरीज जीतने पर

नई दिल्ली, 14 नवम्बर। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुक्रवार को निर्णायक चौथा टी20 मैच और श्रृंखला जीतने की कोशिश में जुटी भारतीय टीम के लिये रिंकू सिंह का बल्लेबाजी क्रम और खराब फॉर्म चिंता का सबब होगा। संजू सैमसन और तिलक वर्मा के शतकों के अलावा भारतीय बल्लेबाजों ने प्रभावी प्रदर्शन नहीं किया है। भारत फिलहाल सीरीज में 2.1 से आगे है लेकिन 3.1 से जीतने के लिये बल्लेबाजों पर महती जिम्मेदारी होगी। भारत के लिये वांडरर्स हमेशा से भाग्यशाली रहा है जहां उसने 2007 में पाकिस्तान को हराकर पहला टी20 विश्व कप जीता था। एक साल पहले पिछली टी20 सीरीज में कप्तान सूर्यकुमार यादव ने शतक जमाकर टीम को जीत दिलाई थी।

सूर्यकुमार की कप्तानी में भारत ने 16 में से 13 मैच जीते हैं और इस बार वह श्रृंखला जीतकर लौटना चाहेंगे। पिछली बार श्रृंखला 1.1 से ड्रॉ रही थी चूंकि एक मैच बारिश की भेंट हो गया था। टी20 क्रिकेट के सबसे आक्रामक बल्लेबाजों में शुमार रिंकू सिंह का फॉर्म भी चिंता का सबब है जो पिछले कुछ महीने से अच्छा नहीं खेल पा रहे हैं।

ऐसा लग रहा है कि छठे या सातवें नंबर पर उतरने से वह सहज होकर खेल नहीं पा रहे हैं। भारत में अगला टी20 विश्व कप 2026 में है और सूर्यकुमार के पास रिंकू में आत्मविश्वास भरकर उनके प्रदर्शन को ढर्रे पर लाने का पूरा समय है। स्पष्टता के अभाव में उनके जैसे हुनरमंद क्रिकेटर को खोने का जोखिम भारतीय टीम नहीं उठा सकती।

युवा घुड़सवारी खिलाड़ी 'जारा स्विटेंस' ने कम उम्र में ही घुड़सवारी के 3 राष्ट्रीय पदक जीते

वर्ल्ड चिल्ड्रन क्लासिक शो जंपिंग में विश्व रैंकिंग भी मिली

जयपुर, 14 नवंबर। बाल दिवस 2024 का समारोह जयपुर राजस्थान के दो आर्मी किड्स द्वारा खेलों में उत्कृष्टता की उल्लेखनीय, प्रेरणादायी और अनुकरणीय कहानियों को सामने लाता है। ''चिन्मयी कासोडेकर'' सुपुत्री कर्नल अजीत कासोडेकर ने 8 साल की छोटी उम्र में 2015 में नागपुर में लॉन टेनिस खेलना शुरू किया। उन्होंने स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया में जिला स्तरीय टूर्नामेंट में मिश्रित सफलता के साथ भाग लिया।

वह 2018 में जयपुर आ गए और जयपुर मिलिट्री स्टेशन में अपने कोच निखिल सिंह सिसोदिया के मार्गदर्शन में धैर्य, दृढ़ संकल्प, समर्पण और कड़ी मेहनत के साथ खेल में उत्कृष्टता के लिए अपनी खोज जारी रखी।जल्द ही, उन्हें सफलता मिलनी शुरू हो गई और उन्होंने 2023 और 2024 में जिला स्तर पर रजत और कांस्य पदक जीता। उन्होंने 2023 में स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित टूर्नामेंट के लिए राज्य स्तर पर टीम स्पर्धा में रजत पदक जीता और अंततः उसी वर्ष राजस्थान का प्रतिनिधित्व करते हुए राष्ट्रीय स्तर के लिए चुनी गईं। चिन्मयी ने पढ़ाई में भी बेहतरीन प्रदर्शन किया और 12वीं बोर्ड परीक्षा में हुमानिटीज़ स्ट्रीम में 90 अंक प्राप्त किए। उन्होंने ओपन कैटेगरी में प्रवेश परीक्षा भी पास की और वर्तमान में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, बेंगलुरु से फैशन डिजाइनिंग की पढ़ाई कर रही हैं।

युवा घुड़सवारी खिलाड़ी ज़ारा स्विटेंस'' ने कम उम्र में ही घुड़सवारी की शुरुआत कर दी थी और अपने पिता और कोच लेफ्टिनेंट कर्नल डी स्विटेंस, जो 61 कैवेलरी ऑफिसर हैं और जिनके नाम कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार हैं, के सहयोग से अपनी क्षमताओं को निखारते हुए असाधारण कौशल और दृढ़ संकल्प दिखाया है। ज़ारा ने प्रतियोगिता के अपने छोटे से दौर में, देश भर में आयोजित विभिन्न आयोजनों में कई क्षेत्रीय पदकों के साथ कुल 3 राष्ट्रीय पदक जीते हैं। पिछले सीज़न में उन्होंने वर्ल्ड चिल्ड्रन क्लासिक शो जंपिंग में भाग लिया और कुल मिलाकर दूसरा स्थान हासिल किया, जिससे उन्हें विश्व रैंकिंग भी मिली।

ज़ारा ने हाल ही में दिसंबर 2024 में दिल्ली में होने वाले आगामी जूनियर नेशनल के लिए शो जंपिंग और ड्रेसेज के लिए क्वालीफाई किया है प्रत्येक नई चुनौती को स्वीकार करते हुए,ज़ारा का ध्यान एक मजबूत एथलीट बनने पर केंद्रित है, तथा वह खेल में खुद को गहरी लगन और उत्कृष्टता की भावना के साथ प्रस्तुत करती है।

वुशू प्रतियोगिता का आयोजन आज से श्रीगंगानगर में

जयपुर, 14 नवंबर। राजस्थान वुशू संघ व श्रीगंगानगर वुशू संघ के तत्वावधान में दिनांक 15 से 17 नवम्बर 2024 तक 18वी राजस्थान सबजूनियर राज्य स्तरीय (बालक बालिका) वुशू प्रतियोगिता का आयोजन श्रीगंगानगर में किया जा रहा है। हीरानंद कटारिया अध्यक्ष, राजस्थान वुशू संघ ने बताया कि इस प्रतियोगिता में राज्य के 23 जिलो के लगभग 400 खिलाडी व अधिकारियों के भाग लेने की संभावना है। इस प्रतियोगिता की सभी फाइट नाकआउट आधार पर खेली जायेगी।

अर्जुन प्रसाद ने दूसरे राउंड में 64 का स्कोर करके बढ़त बनाई

सुखराज ने 11वें होल-इन-वन में निसान मैग्नाइट जीती

जयपुर, 14 नवंबर। दिल्ली के अर्जुन प्रसाद ने जयपुर के रामबाग गोल्फ क्लब में खेले जा रहे 1 करोड़ रुपये के राजस्थान टूरिज्म प्रेजेंट्स जयपुर ओपन 2024 में छह अंडर 64 के शानदार दूसरे राउंड के साथ अपनी रात की बढ़त को बरकरार रखा। अर्जुन प्रसाद (62-64), जो पहले राउंड में एक शॉट से आगे चल रहे थे, ने गुरुवार को ईगल, पांच बर्डी और एक बोगी के बाद कुल 14 अंडर 126 के स्कोर के साथ अपनी बढ़त को तीन स्ट्रोक तक बढ़ाया। दिल्ली के एक अन्य गोल्फर और पिछले सप्ताह के विजेता क्षितिज नवीद कौल (64-65) दूसरे दिन 65 के स्कोर के साथ 11-अंडर 129 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जिसमें एक ईगल, पांच बर्डी और दो बोगी शामिल थे। मिलिंद सोनी, सचिन बैसोया, रवि कुमार, मारी मुथु आर, एम धर्मा और हरेंद्र गुप्ता सहित छह खिलाड़ी कुल 10-अंडर 130 के स्कोर के साथ संयुक्त तीसरे स्थान पर रहे। जयपुर के प्रखर असावा (70) कट बनाने वाले एकमात्र स्थानीय गोल्फर थे। वह तीन-अंडर 137 के स्कोर के साथ संयुक्त 35वें स्थान पर रहे। कट को तीन-अंडर 137 घोषित किया गया।

पचास पेशेवर खिलाड़ी कट बनाने में सफल रहे। कनाडा के सुखराज सिंह गिल ने 11वें होल-इन-वन में गोल करके निसान मैग्नाइट कार जीती। सुखराज के फाइव-आयरन टी शॉट ने होल को हिट किया। हालांकि, सुखराज 69 का स्कोर करके दो अंडर 138 का स्कोर करने के बाद कट से चूक गए। चंडीगढ़ के आदिल बेदी गुरुवार को होल-इन-वन शूट करने वाले दूसरे खिलाड़ी थे। आदिल का ऐस 69 के राउंड के दौरान दूसरे होल पर आया। बेदी भी कट से चूक गए क्योंकि उनका कुल स्कोर एक अंडर 139 रहा।

अर्जुन प्रसाद ने 11वें होल पर 15 फीट की बर्डी कन्वर्जन और 14वें होल पर एक और बर्डी के साथ शुरुआती बढ़त हासिल की। 25 वर्षीय प्रसाद ने 17वें होल पर ईगल के लिए चिप-इन करके अपने राउंड को और गति दी। अपने दूसरे नौ होल पर, अर्जुन ने चौथे और आठवें होल के बीच अपने कार्ड में तीन और बर्डी जोड़ीं, जिसमें एक टैप-इन भी शामिल था। समापन नौवें होल पर सात फीट से लिप-आउट के कारण प्रसाद ने सप्ताह की अपनी पहली बोगी स्वीकार की। अर्जुन ने कहा, यह एक और ग्रेस राउंड था। मैंने पूरे खेल में अपना खेल बनाए रखा और बर्डी के अलावा मैंने 12वें और 16वें पर बराबरी बचाने के लिए कुछ अच्छे अप और डाउन भी किए।

संतोष ट्रॉफी राष्ट्रीय फुटबॉल चैम्पियनशिप कल से

जयपुर, 14 नवंबर। राजस्थान फुटबॉल संघ के सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ द्वारा राजस्थान फुटबॉल एसोसिएशन को जयपुर में 78वीं सीनियर पुरुष राष्ट्रीय फुटबॉल चैम्पियनशिप 2024-25 संतोष ट्रॉफी ग्रुप। मैचों की मेजबानी की जिम्मेदारी दी गई है। राष्ट्रीय चैम्पियनशिप 16 नवंबर को शुरू होगी और आखिरी मैच 20 नवंबर को खेला जाएगा। जयपुर में कुल 6 मैच खेले जाएंगे। ग्रुप आई के मैच 16, 18 और 20 नवंबर को खेले जाएंगे। ग्रुप में कुल 6 मैच हैं। ग्रुप आई में चार टीमें राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात और दादर नगर हवेली दमन दीव हैं। ग्रुप में टीमों के बीच लीग मैच खेले जाएंगे और लीग तालिका में शीर्ष पर रहने वाली टीम को 78वीं सीनियर पुरुष राष्ट्रीय फुटबॉल चैम्पियनशिप 2024-25 संतोष ट्रॉफी के फाइनल राउंड में प्रमोट किया जाएगा। ग्रुप से एक टीम को फाइनल राउंड में प्रमोट किया जाएगा। सभी मैच रॉयल फुटबॉल क्लब स्टेडियम जयपुर में खेले जाएंगें।

राजस्थान-उत्तराखंड रणजी मैच में महिपाल लोमरोर का नाबाद तिहरा शतक

राजस्थान के भारत का रणजी डेब्यू मैच में शानदार अर्द्धशतक

जयपुर, 14 नवम्बर। राजस्थान के बल्लेबाज महिपाल लोमरोर ने गुरुवार को उत्तराखंड के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मैच में तिहरा शतक जड़ा। आईपीएल नीलामी से पहले लोमरोर ने अपने प्रदर्शन से सभी फ्रेंचाइजी का ध्यान खींचा है। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए लोमरोर ने 360 गेंदों में 300 रन बनाए। अपनी पारी के दौरान उन्होंने 25 चौके और 13 छक्के लगाए।

महिपाल का ये प्रथम श्रेणी क्रिकेट में सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर है, उनका पिछला सर्वश्रेष्ठ 133 रन था। महिपाल लोमरोर 300 रन बनाकर नाबाद लौटे। राजस्थान ने अपनी पहली पारी में 7 विकेट पर 660 बनाकर पारी घोषित कर दी। लोमरोर ने कार्तिक शर्मा (113) और विकेटकीपर बल्लेबाज भरत शर्मा (54) के साथ 100 से ज्यादा रनों की साझेदारी की, जिससे राजस्थान ने पहली पारी में 660 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया।

रणजी ट्रॉफी में राजस्थान का उत्तराखण्ड के विरूद आज बनाया गया स्कोर 660 /7 घोषित राजस्थान का रणजी ट्रॉफी में सर्वोत्तम स्कोर है। महिपाल लोमरोर राजस्थान के लिए रणजी ट्रॉफी में तिहरा शतक लगाने वाले दूसरे खिलाडी हैं। पूर्व में राजस्थान के लिए गगन खोड़ा ने दिलीप ट्रॉफी में सेंट्रल जोन के लिए साउथ जोन के खिलाफ 2000 -01 सत्र में तथा रणजी ट्रॉफी में प्रोफेशनल खिलाडी आकाश चोपड़ा राजस्थान के लिए महाराष्ट्र के विरूद सत्र 2010 -11 में तिहरा शतक लगा चुके हैं।

राजस्थान के लिए महिपाल लोमरोर नाबाद 300, कार्तिक शर्मा 113, भारत शर्मा 54, अजय सिंह कुकना नाबाद 40, दीपक चाहर 35, राम मोहन चौहान 29, जुबेर अली 26, अभिजीत तोमर 20 व दीपक हुड्डा 10 रनो का योगदान दिया। उत्तराखंड के गेंदबाज स्वप्निल 84 /2, धपोला 94 / 2, अवनीश, अभय व अंकित प्रत्येक 1-1 विकेट प्राप्त किये। उत्तराखंड पहली पारी 109/2, राजस्थान के गेंदबाज दीपक चाहर 37/1 व अनिकेत चौधरी 36/1 विकेट प्राप्त किये।

जयपुर-श्रीगंगानगर की विजयी शुरूआत

जयपुर, 14 नवंबर। बालक वर्ग की गत विजेता जयपुर तथा बालिका वर्ग की गत विजेता श्रीगंगानगर ने जालोर में गुरुवार से शुरू हुई चार दिवसीय 29वी राजस्थान राज्य सब जूनियर हैंडबॉल प्रतियोगिता-2024-25 में पहले दिन खेले गये लीग मैचेस में जीत दर्ज अपना विजयी अभियान शुरू किया। बालक वर्ग में जयपुर ने डूंगरपुर को 10-04, ज्ञान ज्योति अकादमी को 16-06 से व अजमेर को 19-14 से हराया। वही बालिका वर्ग में श्रीगंगानगर ने झुनझुनू को 08-01 से हराया। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि विधायक-शिव रविंद्र सिंह भाटी थे। समारोह की अध्यक्षता हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के महासचिव डॉ. तेजराज सिंह जी खंगारोत ने की, जबकि विशिष्ट अतिथि जितेंद्र सिंह, कोषाध्यक्ष मारवाड राजपूत सभा, गोविंद टांक, सभापति नगर परिषद जालोर तथा भारतीय हैंडबॉल टीम के प्रशिक्षक प्रियदीप सिंह खंगारोत थे।

अरावली की आसान जीत

जयपुर, 14 नवम्बर। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 26वीं नवीन-नफीस स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता के अन्तर्गत आज पी. एस. क्रिकेट एकेडमी, मुहाना में आज खेले गये दूसरे फाईनल मैच में अरावली क्रिकेट एकेडमी ने प्रशान्त माली के शतक 112 रन, दिव्य गजराज 64 रन की पारियों तथा जय गोयल 33 रन पर 6 विकेट की घातक गेंदबाजी की बदौलत अरावली क्रिकेट एकेडमी ने पी एस क्रिकेट एकेडमी को 141 रन से हराकर दूसरा फाईनल भी जीत लिया है।

राजधानी

मालगाड़ी के ब्रेकिंग सिस्टम में खामियों को लेकर हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

■ जनहित याचिका में अदालत को बताया कि देश में चल रही मालगाड़ियों में बीएमबीएस का ब्रेकिंग सिस्टम लगा हुआ है। इसे जर्मनी की कंपनी नोर ब्रेक्से सप्लाई करती है। इस ब्रेकिंग सिस्टम में खामियां हैं, जिसके कारण मालगाड़ी की दुर्घटनाएं हो रही हैं

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने देश में चल रही मालगाड़ियों में लगे बुगी माउटेड ब्रेक सिस्टम में खामियों को लेकर रेलवे बोर्ड, रिसर्च डिजाइन एंड स्टैंडर्ड ऑर्गेनाइजेशन और मैसर्स नोर ब्रेक्से इंडिया प्रा. लि. सहित अन्य से जवाब तलब किया है। जस्टिस इंद्रजीत सिंह और जस्टिस विनोद कुमार भारवानी की खंडपीठ ने यह आदेश हरिसिंह व अन्य की ओर से दायर जनहित याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

जनहित याचिका में अधिवक्ता प्रवीण बलवदा और भावना चौधरी बलवदा ने अदालत को बताया कि देश में चल रही मालगाड़ियों में बीएमबीएस का ब्रेकिंग सिस्टम लगा हुआ है। इसे जर्मनी की कंपनी नोर ब्रेक्से सप्लाई करती है। यह ब्रेकिंग सिस्टम में खामियां हैं, जिसके कारण मालगाड़ी की दुर्घटनाएं हो रही हैं। रिसर्च डिजाइन एंड स्टैंडर्ड ऑर्गेनाइजेशन ने 15 जुलाई, 2022 की अपनी रिपोर्ट में माना की फुल सर्विस ब्रेकिंग के बाद मालगाड़ी 18 से 30 सेकंड में रुकनी चाहिए, जबकि वास्तव में यह 45 से 60 सेकंड में रुक रही है। इसके साथ ही इस कंपनी को भी डी-लिस्ट किया गया था। मालगाड़ियों की दुर्घटनाओं का मामला बीते साल संसद में भी उठाया गया था। याचिका में कहा गया कि ऑल इंडिया लोको रनिंग स्टाफ एसोसिएशन ने भी मालगाडी के ब्रेकिंग सिस्टम की शिकायत की थी। वहीं रेलवे बोर्ड ने नवंबर, 2023 में इसी कंपनी को ब्रेकिंग सिस्टम अपग्रेड करने को कहा। इस पर कंपनी ने ब्रेक में लगने वाले दस इंच के सिलेंडर को बढ़ाकर 11 इंच का कर दिया। इस दौरान इसकी टेस्टिंग भी नहीं की गई। याचिका में बताया गया कि सेफ्टी कमीशन ने ब्रेक ब्लॉक फोर्स 2160 किलोग्राम तक होना बताया, जबकि अपग्रेड के बाद यह 2500 किलोग्राम के ऊपर जा रहा है। याचिका में आरोप लगाया गया कि इस कंपनी को फायदा पहुंचाने के लिए नियमों की अवहेलना की जा रही है। वहीं मामले में प्रतिस्पर्धा आयोग में भी शिकायत लंबित चल रही है। ऐसे में मालगाड़ियों के दोषपूर्ण ब्रेकिंग सिस्टम को दूर किया जाए और टेंडर प्रक्रिया में पारदर्शिता अपनाई जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया

भगवान बिरसा मुंडा की जयन्ती पर शुभकामनाएं दी

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती तथा जनजातीय गौरव दिवस (15 नवम्बर) की प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी है।

शर्मा ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में आदिवासी समुदायों का विशेष स्थान है। भगवान बिरसा मुंडा ने मातृभूमि की रक्षा और प्राकृतिक संपदा को शोषण से बचाने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि वन व खनिज संपदा के संरक्षण में आदिवासी समाज का बड़ा योगदान है। ग्लोबल वार्मिंग व जलवायु परिवर्तन के दौर में आज सभी को आदिवासी समाज की जीवन शैली से प्रेरणा लेनी चाहिए। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार आदिवासियों के सशक्तीकरण व उनके हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एयरपोर्ट से सीधे विद्याधर नगर तुलसीपीठाधीश्वर जगद्गुरु रामानन्दाचार्य स्वामी रामभद्राचार्य द्वारा राम कथा सुनने पहुँचे। वहा मुख्यमंत्री ने जगतगुरु रामानंदाचार्य स्वामी रामभद्राचार्य से आशीर्वाद ग्रहण किया और आरती में शामिल हुए इस दौरान संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल भी मौजूद रहे।

शिक्षक भर्ती का परिणाम संशोधित करने के आदेश की क्रियान्विति पर रोक

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ ने एकलपीठ के गत 6 दिसंबर उस आदेश की क्रियान्विति पर रोक लगा दी है, जिसमें एकलपीठ ने वर्ष 2022 की तृतीय शिक्षक भर्ती लेवल-2 के विवादित प्रश्नों की विशेषज्ञ कमेटी से जांच कर उसके आधार पर संशोधित परिणाम जारी करने के आदेश दिए थे। इसके साथ ही अदालत ने मामले में कर्मचारी चयन बोर्ड को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस इंद्रजीत सिंह और जस्टिस विनोद कुमार भारवानी की खंडपीठ ने यह आदेश सरिता कुमारी व अन्य की ओर से दायर अपील पर सुनवाई करते हुए दिए।

अपील में अधिवक्ता हिमांशु जैन ने अदालत को बताया कि एकलपीठ ने गत 6 दिसंबर को भर्ती में कुछ विवादित प्रश्नों से जुडी याचिका पर सुनवाई करते हुए कर्मचारी चयन बोर्ड को विशेषज्ञ कमेटी गठित कर प्रश्नों का पुनः परीक्षण करने को कहा था। इसके साथ ही अदालत ने कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर परीक्षा परिणाम को संशोधित करने के निर्देश दिए थे। इसे चुनौती देते हुए कहा किया करीब 27 हजार पदों की इस भर्ती में करीब 25 हजार अभ्यर्थी कार्य ग्रहण कर चुके हैं। इसके अलावा एकलपीठ ने खुद के आदेश में भर्ती की मेरिट पर कोई बात नहीं की। उसने चयन बोर्ड की ओर से प्रश्नों के मूल्यांकन की बात को आधार मानकर विशेषज्ञ कमेटी की रिपोर्ट पर संशोधित परिणाम का निर्देश दिया।

इसके अलावा अपीलार्थी एकलपीठ के समक्ष पक्षकार नहीं थे। एकलपीठ के आदेश से अपीलार्थियों के हित प्रभावित हो रहे हैं। ऐसे में एकलपीठ के आदेश पर रोक लगाई जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने एकलपीठ के आदेश की क्रियान्विति पर रोक लगाते हुए कर्मचारी चयन बोर्ड से जवाब मांगा है।

भाजपा की संगठनात्मक बैठक आज

जयपुर। भाजपा सदस्यता अभियान के प्रदेश संयोजक डॉ अरूण चतुर्वेदी ने बताया कि शुक्रवार को सदस्यता अभियान, सक्रिय सदस्यता अभियान और संगठन पर्व की संगठनात्मक बैठक आयोजित की जाएगी। भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित बैठक सुबह 11 बजे शुरू की जाएगी। इसमें प्रदेश पदाधिकारियों के साथ प्रदेश टोली सदस्यता अभियान, सभी जिलाध्यक्ष, भाजपा के सभी मोर्चा और विभागों के संयोजक उपस्थित रहेंगे।

गुरूनानक जयन्ती पर शुभकामनाएं

जयपुर। विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरूनानक जयन्ती (15 नवंबर) पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि गुरू नानक देव जी ने समाज में व्याप्त कुरीतियों और आडम्बरों के विरूद्ध अलख जगाई तथा सभी को प्रेम और सद्भाव के साथ रहने का मार्ग दिखाया।

अभिभाषक संघ के चुनाव नहीं कराने पर हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने अदालत के आदेश और संघ के संविधान में प्रावधान होने के बावजूद भी कोटा अभिभाषक संघ के वार्षिक चुनाव आगामी 13 दिसंबर को नहीं कराने पर बार कौंसिल ऑफ राजस्थान और अभिभाषक संघ कोटा, को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस अनूप कुमार ढंड की एकलपीठ ने यह आदेश कृपा शंकर व अन्य की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता सुनील समदडिया ने अदालत को बताया कि अभिभाषक संघ के संविधान के अनुसार संघ की कार्यकारिणी के वार्षिक चुनाव होंगे। वहीं हाईकोर्ट ने 24 अगस्त, 2023 को आदेश जारी कर प्रदेश की हर बार एसोसिएशन के चुनाव दिसंबर माह के दूसरे शुक्रवार को करने के निर्देश दे रखे हैं। याचिका में बताया गया कि कोटा अभिभाषक संघ के वार्षिक चुनाव गत वर्ष दिसंबर माह में हुए थे। ऐसे में संघ के संविधान और अदालती आदेश की पालना में इस साल अन्य बार एसोसिएशनों की तरह कोटा अभिभाषक संघ को अपने चुनाव 13 दिसंबर को कराने थे। इसके बावजूद संघ ने गत 29 जून को आम बैठक में निर्णय लेना बताकर मौजूदा कार्यकारिणी का कार्यकाल बढा लिया। यह कार्यकाल बढाने का आधार वकीलों के कल्याण और कोर्ट बिल्डिंग के लिए भूमि आवंटन बताया गया।

याचिका में कहा गया कि इस आम बैठक में ऐसा कोई निर्णय नहीं लिया गया था और कार्यकारिणी का कार्यकाल बढाने का निर्णय संविधान के खिलाफ है। याचिकाकर्ता की ओर से बार कौंसिल ऑफ राजस्थान को पत्र लिखकर अभिभाषक संघ की मनमानी करने की शिकायत की गई, लेकिन कौंसिल ने उस पर कोई कार्रवाई नहीं की। ऐसे में कोटा अभिभाषक संघ को 13 दिसंबर को वार्षिक चुनाव कराने के निर्देश दिए जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित पदाधिकारियों से जवाब तलब किया है।

7 सीटों पर भाजपा प्रत्याशियों की होगी जीतः डॉ राधा मोहन

जयपुर। भाजपा प्रदेश प्रभारी डॉ राधा मोहन दास अग्रवाल ने कहा कि भाजपा छह नहीं सातों सीटों पर प्रचंड बहुमत के साथ जीत दर्ज करा रही है। चौरासी में भी ऐतिहासिक मतदान भाजपा के समर्थन में है और भाजपा चौरासी सहित प्रदेश की सभी सातों सीटों पर विजय श्री प्राप्त कर रही है। भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ और सभी पदाधिकारियों ने बहुत मेहनत की है, ऐसे में मैं अपनी बात एक बार फिर दोहराता हूं कि भाजपा सभी सीटों पर जीत दर्ज करा रही है।

कुल्हाड़ी से हॉकर की हत्या करने वाले अभियुक्त को आजीवन कारावास

जयपुर। अतिरिक्त सत्र न्यायालय क्रम-2 महानगर प्रथम ने कुल्हाडी से हत्या कर हॉकर की हत्या करने वाले अभियुक्त रफीक को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्त पर 25 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

अभियोजन पक्ष की ओर से अपर लोक अभियोजक मनीष कुमार गुप्ता ने बताया कि घटना को लेकर मृतक मन्नू लाल वैष्णव के बेटे रोहित ने 5 सितंबर, 2019 को खो-नागोरियान थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

रिपोर्ट में कहा गया कि उसके पिता अखबार बांटने का काम करते थे। वे सुबह घर से निकल कर करीब सात बजे रफीक के घर पहुंचे। इस दौरान उसके पिता की किसी बात को लेकर रफीक से विवाद हो गया। इस पर रफीक ने उसके पिता की गर्दन पर कुल्हाडी से वार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। इसके चलते उसके पिता की मौत हो गई। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया।

पुलिस जांच में पता चला कि अभियुक्त का अपने परिवार वालों से झगड़ा चल रहा था। इसी दौरान मृतक वहां पहुंच गया और रफीक ने गुस्से में आकर उसके ऊपर ही कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से कुल 24 गवाहों के बयान दर्ज कराए गए।

जल्दी आयेगी मेडिकल वैल्यू ट्रैवल पॉलिसी व फार्मा पॉलिसी-मुख्यमंत्री

राइज़िंग राजस्थान हैल्थ प्री-समिट में 16,176 करोड़ के एम.ओ.यू. साइन हुए

जयपुर, 14 नवंबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की उपस्थिति में आज राइज़िंग राजस्थान स्वास्थ्य प्री-समिट में स्वास्थ्य, चिकित्सा और आयुष क्षेत्र के निवेशकों के साथ 16,176 करोड़ रुपये के एम.ओ.यू पर हस्ताक्षर किये गए। आज किए गए एम.ओ.यू. के साथ ही

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रसन्नता व्यक्त की कि इस प्री-समिट में 2,157 करोड़ रुपये के एम.ओ.यू. आयुष क्षेत्र में हुए।**

"राइज़िंग राजस्थान" ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के बैनर तले स्वास्थ्य क्षेत्र में हस्ताक्षरित कुल निवेश प्रस्तावों का आंकड़ा 25,400 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है।

आज किए गये एम.ओ.यू. में स्वास्थ्य और चिकित्सा क्षेत्र के लिए 14,000 करोड़ रुपये के निवेश के लिए एम.ओ.यू. हुए, जबकि आयुष क्षेत्र में 2,157 करोड़ रुपये के निवेश एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर किए गए।

इस अवसर पर बोलते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि अपने कार्यकाल के पहले ही वर्ष में इन्वेस्टमेंट समिट आयोजित करके हमारी सरकार ने अपनी मंशा स्पष्ट कर दी है कि हम न केवल न केवल एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर करने जा रहे हैं बल्कि अगले 3-4 वर्षों में उन्हें धरातल पर भी उतारने जा रहे हैं।

राइज़िंग राजस्थान स्वास्थ्य प्री-समिट में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की उपस्थिति में 16,176 करोड़ रुपये के एम.ओ.यू पर हस्ताक्षर हुए।

आयुष क्षेत्र में हुए 2,157 करोड़ रुपये के एम.ओ.यू. पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, "मुझे यह जानकर प्रसन्नता हो रही है कि हमने आयुष क्षेत्र में बड़ी संख्या में एम.ओ.यू. किए हैं। आयुष न केवल भारत की विरासत और पहचान है, बल्कि यह दुनिया के सामने भारतीय संस्कृति और सदियों पुराने ज्ञान को भी प्रदर्शित करता है।

मुख्यमंत्री ने कहा, स्वास्थ्य सेवा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता स्पष्ट है। स्वास्थ्य एवं चिकित्सा क्षेत्र के लिए अब तक का सबसे अधिक 28,000 करोड़ रुपया आवंटित किया गया है। सरकार, राज्य की चिकित्सा पर्यटन क्षमता को अनलॉक करने के लिए नई फार्मा पॉलिसी और मेडिकल वैल्यू ट्रैवल पॉलिसी भी लॉन्च करने जा रही है।

आज किए गए एम.ओ.यू. के जरिए निवेशकों ने जयपुर, अजमेर, जोधपुर, राजसमंद, सीकर, सिरोही सहित राज्य के प्रमुख क्षेत्रों में फार्मा इकाइयां, मेडिकल कॉलेज, विश्वविद्यालय, नर्सिंग कॉलेज, होम्योपैथी और आयुर्वेद कॉलेज, आयुष अनुसंधान पंचकर्म केंद्र, उन्नत आयुर्वेद और प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान स्थापित करने का प्रस्ताव दिया है।

इस अवसर पर मौजूद राजस्थान सरकार के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने कहा, ये नये निवेश न केवल राज्य में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए नए स्वास्थ्य सेवा संस्थान, मेडिकल कॉलेज और वेलनेस सेंटर लाएंगे, बल्कि युवाओं के लिए लाखों रोजगार के अवसर भी पैदा करेंगे।

कार्यक्रम के अंत में राजस्थान सरकार के चिकित्सा शिक्षा सचिव अम्बरीश कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

कर्नाटक में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मुहिम शुरु की। इसीलि वे बार-बार केस कर रहे हैं।

मई 2023 में कांग्रेस 135 सीटों का शानदार बहुमत अर्जित कर कर्नाटक की सत्ता में आई है तब से ही मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिव कुमार के बीच नेतृत्व के मुद्दे पर जंग छिड़े होने की अफवाएं चल रही है। अभी तक सरकार आराम से चल रही है। सार्वजनिक रुप से दोनों नेता एकजुट दिख रहे हैं और शिव कुमार ने मुख्यमंत्री के भाजपा के लिए किए गए दावे का भी समर्थन किया है।

उन्होंने बैगलौर में कहा कि रिश्वत की कथित पेशकश भाजपा के "ऑपरेशन लोटस" का हिस्सा थी।

इस पर कड़ा विरोध जताते हुए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.बाय. विजयेन्द्र ने मुख्यमंत्री को चुनौती दी कि अपने आरोपों को साबित करें। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री को अपने ही विधायकों पर भरोसा नहीं है और वे झूठे आरोप लगा रहे है, आपकी सरकार है, आपकी जांच एजेंसियां हैं आपकी नैतिक जिम्मेदारी है जनता को यह बताना कि रिश्वत की पेशकश किसन की थी वरना आपका बयान एक बचकाने राजनैतिक बयान से ज्यादा कुछ नहीं है। उन्होंने कहा सिद्धारमैया ने यह आरोप अपनी पार्टी व विधायकों पर नियंत्रण रखने और भ्रष्टाचार के मामलों से ध्यान हटाने के लिए लगाए हैं।

प्रदूषण के कारण दिल्ली के प्राइमरी स्कूल बंद

सभी प्राथमिक विद्यालयों को अगले निर्देश तक ऑनलाइन कक्षायें चलाने के आदेश

- **सुप्रीम कोर्ट दिल्ली में प्रदूषण पर लगी याचिका पर 18 नवंबर को सुनवाई करेगा।**

नई दिल्ली, 14 नवंबर। दिल्ली में बढ़ ते प्रदूषण के कारण सभी प्राइमरी स्कूल बंद कर दिए गए हैं। अब पहली से पांचवीं तक की कक्षाएं ऑनलाइन होंगी। मुख्यमंत्री आतिशी ने एक्स पर अपने पोस्ट में लिखा "बढ़ ते प्रदूषण के स्तर के कारण, दिल्ली के सभी प्राथमिक विद्यालय ऑनलाइन कक्षाएं शुरू करेंगे और अगले निर्देश तक जारी रखेंगे।" दिल्ली सरकार ने आदेश जारी कर सभी स्कूलों को ऑनलाइन कक्षाएं शुरू करने के लिए और बच्चों के माता-पिता को इसकी जानकारी देने के लिए कहा है।

इसी के साथ, सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में प्रदूषण पर अंकुश लगाने के उपायों को लागू करने का अनुरोध करने वाली याचिका को 18 नवंबर के लिए तुरंत लिस्ट करने पर गुरुवार को सहमति व्यक्त की। ज्ञातव्य है कि, याचिका में कोर्ट से अनुरोध किया गया था कि दिल्ली दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर न बन जाये इसलिए याचिका को तत्काल सूचीबद्ध किया जाए। इसके बाद अदालत ने दिल्ली में प्रदूषण से जुड़ी याचिका पर 18 नवंबर को सुनवाई करने पर सहमति जता दी।

दिल्ली सरकार के शिक्षा निदेशालय द्वारा प्राथमिक कक्षाओं को बंद करने के आदेश में कहा गया है, "दिल्ली में शिक्षा निदेशालय (डीओई), एमसीडी, एनडीएमसी और डीसीबी के सभी सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त और गैर-सहायता प्राप्त निजी मान्यता प्राप्त स्कूलों के प्रमुखों को कक्षा 5 तक के बच्चों के लिए स्कूलों में कक्षाएं बंद करने का निर्देश दिया जाता है। स्कूलों के प्रमुखों को अगले आदेश तक इन कक्षाओं के छात्रों के लिए ऑनलाइन मोड में कक्षाएं सुनिश्चित करने का निर्देश दिया जाता है।"

दिल्ली सरकार के आदेश में यह भी बताया गया है कि एनसीआर और आसपास के क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने ग्रैप-3 लागू करने का आदेश दिया है। दिल्ली और एनसीआर में ए.क्यू.आई. 401-450 के बीच है।शहर में खराब वायु गुणवत्ता के कारण राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में 15 नवंबर, 2024 की सुबह 8 बजे से जीआरएपी-गंभीर वायु गुणवत्ता के चरण के तहत सभी उपाय लागू किए जाएंगे। अब साल 2017 से पहले खरीदे गए वाहन, जो बीएस-3 या उससे कम मानदंड के हैं, उनके उपयोग पर बैन लगा दिया गया है।

ट्रम्प की, सरकारी खर्च कम करने...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

1970 के दशक में केरल से संयुक्त राज्य अमेरिका गए थे। लेकिन दोनों "जन्मजात श्वेत अमेरिकी" नहीं हैं। मस्क दक्षिण अफ्रीका से हैं और रामास्वामी भारतीय मूल के हैं।

यदि ये दोनों व्यक्ति एक अच्छे ज्ञानी और शिक्षित पृष्ठभूमि से आते हैं, तो डॉनल्ड ट्रम्प किताबों और अध्ययन की दुनिया में लगभग अजनबी प्रतीत होते हैं। उनका जीवन संपत्ति और खर्च, जोखिमपूर्ण आदतों और चालबाजियों से भरा हुआ रहा है। उन्हें अमेरिकी अदालत द्वारा दोषी भी ठहराया गया है।

सरकारी सुधारों को आगे बढ़ाने के लिए उनके चयन से उदार अमेरिकी नागरिकों और आम जनता को सिहरन हो सकती है। मस्क का यह दावा है कि उनके प्रस्तावों से अमेरिका के 6.5 ट्रिलियन डॉलर के बजट में से 2 ट्रिलियन डॉलर की कटौती की जा सकती है। इससे सरकारी एजेंसियों और विभागों से लाखों लोग सीधे बाहर हो जाएंगे और अन्य कई लोग अप्रत्यक्ष रुप से प्रभावित होंगे।

सरकार का आकार घटाने से अमेरिकी सामाजिक क्षेत्र के बजट के साथ -साथ उसकी विशाल सैन्य बजट में भी कटौती हो सकती है, विशेषज्ञों का कहना है। सरकार के आकार को घटाने के प्रयासों का विभिन्न प्रकार से असर हो सकता है, जिसका उन लोगों द्वारा कड़ा विरोध किया जा सकता है जो सरकारी अभिजात्य वर्ग में हैं या स्थापित राजनीतिज्ञ हैं। सबसे बड़ा विरोध राजनीतिक वर्ग से ही हो सकता है। राजनेता संघीय बजट पास करते हैं और प्रशासनिक राज्य का वह हिस्सा जो वित्तीय शक्तियों को नियंत्रित करता है, वह कांग्रेस है। राजनीतिक वर्ग इन अधिकारों को छोड़ने के लिए तैयार नहीं हो सकता। विधानमंडल बजट पास करने पर जोर देगा और मस्क तथा रामास्वामी जैसे विशेषज्ञों के हस्तक्षेप को तवज्जो नहीं देगा।

बाल मुकुंदाचार्य...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

परिवाद में अधिवक्ता असलम ने बताया कि गत 21 अक्टूबर को शाम के समय बालमुकुंदाचार्य अपने कुछ लोगों के साथ बास बदनपुरा स्थित शिया समाज की वक्फ संपत्ति, इमाम बारगाह में जबरन घुस गए और अभद्रता करने लगे। इस दौरान वहां मौजूद बच्चे और पर्दानशीन महिलाएं भयभीत हो गईं।

वहां मौजूद इमाम ने विधायक को जूते खोलने को कहा तो विधायक बालमुकुंदाचार्य ने उन्हें आतंकी सहित अन्य अपशब्द बोले। इसके अलावा विधायक ने वक्फ बोर्ड की ओर से लगाए वक्फ संपत्ति के बोर्ड पर एतराज किया।

परिवाद में कहा गया कि विधायक ने अपने सहयोगी के माध्यम से घटना का सोशल मीडिया पर लाइव प्रसारण किया, ताकि समाज में धार्मिक वैमनस्यता बढ़े और परिवादी के धार्मिक स्थल की प्रतिष्ठा खराब हो। इस संबंध में शहर के ब्रह्मपुरी थाने में रिपोर्ट दी गई, लेकिन उस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने परिवादी को साक्ष्य पेश करने को कहा है।

क्या राजफैड ने ऑरिगो और श्री शुभम् ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को नहीं दी गई। बाद में 6 नवंबर को ई-मेल के जरिए यह प्लान भंडारण निगम से साझा किया गया, जिससे इस आशंका को और बल मिलता है कि यह "प्लान" पी.पी.पी. मोड पर कार्यरत दोनों कम्पनियों को फायदा पहुंचाने के लिए बनाया गया है।

इस ई-मेल के जवाब में भंडारण निगम की ओर से 13 नवंबर को राजफैड प्रबंध निदेशक को पत्र लिखा गया। जिसमें भंडारण निगम के पास उपलब्ध केन्द्रवार "वैकेंट कैपिसिटी" (गोदामों की खाली क्षमता) की स्थिति से अवगत कराया गया। साथ ही कहा गया कि भंडारण प्रबंधक के साथ 2 दिन में राजफैड के अधिकारी गोदामों का संयुक्त निरीक्षण करके यह भी जांच लें कि, किन गोदामों में उपयुक्त सुविधाएं हैं अथवा नहीं।

साथ ही कहा गया कि, राजफैड ने अपने "मूवमेंट प्लान" में नहीं बताया है कि खरीद केन्द्रों से दलहन-तिलहन की कितनी टन उपज खरीदी जायेगी और उसे रखने के लिए भंडारण निगम के गोदामों में कितनी जगह चाहिए।

राजफैड के अधिकारियों के इस लापरवाही के कारण अगर किसी गोदाम की भराव क्षमता खत्म होने के बाद भी दहलन-तिलहन का स्टॉक बच जाता है तो उसे रखने के लिए भंडारण निगम को आनन-फानन में निजी गोदामों का सहारा लेना पड़ेगा, ऐसे में विभाग को बेवजह आर्थिक नुकसान झेलना पड़ेगा। जिसका सीधा असर इन कृषि उपज के बाजार भावों में भी तेजी के तौर पर दिखेगा।

पाठकों को बता दें कि, गोदामों में कृषि उपज रखते समय कई तरह की जांच होती है, जिनमें वजन मापना, नमी के स्तर की जांच, उपयुक्त सुरक्षा व्यवस्था, आपात स्थिति में कृषि उपज को सुरक्षित अन्यत्र शिफ्ट करने के इंतजाम, आगजनी अथवा अन्य हादसों से निपटने के उपाय, कीट सुरक्षा व्यवस्था शामिल है। इन मापदण्डों की जांच के बाद ही गोदामों को कृषि उपज रखने के लिए सही माना जाता है।

गौवंश तस्कर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

से संबंधित आरोप हैं। आरोपी खान का आपराधिक इतिहास उसे एक आदतन अपराधी बनाता है। ऐसे में जमानत पर छूटे रहने पर उससे ना केवल सार्वजनिक सुरक्षा का खतरा है, बल्कि गौवंश तस्करी में उसके अपराध का सिलसिला भी जारी रह सकता है। राज्य सरकार गोवंश तस्करी को रोकने के लिए उपाय कर रही है। सुप्रीम कोर्ट आरोपी की जमानत रद्द करता है तो इससे पशु क्रूरता व अवैध परिवहन मामलों के आरोपियों में कानून की सख्त कार्रवाई स्थापित होगी। इसलिए अदालत आरोपी को दी जमानत आदेश पर पुनर्विचार करे।

आप के महेश...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

से वॉकआउट किया। कांग्रेस के पार्षदों ने मेयर-डिप्टी मेयर चुनाव में हिस्सा नहीं लिया। कांग्रेस ने अगले दलित मेयर के लिए नियोजित सीमित कार्यकाल पर असंतोष व्यक्त करते हुए दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में मेयर और डिप्टी मेयर के चुनाव का बहिष्कार किया। आम आदमी पार्टी ने दावा किया है कि कांग्रेस पार्षद सबीला बेगम ने पार्टी से इस्तीफ़ा दे दिया है और वह मेयर चुनाव में आप के उम्मीदवार का समर्थन करेंगी। उन्होंने दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष को लिखे पत्र में कहा कि कांग्रेस पार्टी का आदेश है कि 14 नवंबर को होने वाले मेयर और डिप्टी मेयर के चुनाव में वोट नहीं करना है। इससे सीधा भाजपा को फायदा होगा। पिछले मेयर चुनाव में भी पार्टी के आदेश पर हमने वॉकआऊट किया था जिसकी वजह से हमारे वॉर्ड में हमें हमारी जनता का आक्रोश झेलना पड़ा और वार्ड में 50-50 लाख रुपए रिश्वत लेने के पोस्टर में जनता ने लगाए थे। मैं कांग्रेस पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफ़ा देती हूं।

हाईकोर्ट ने 26 हजार प्राइमरी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गए हैं।

इस समय यह स्पष्ट नहीं है कि ममता बनर्जी सरकार इस संकट से कैसे निपटेगी। सरकार द्वारा नियुक्त शिक्षकों की नौकरी चली गई है, जो लोग इन नियुक्तियों को चुनौती दे रहे हैं वो संघर्ष कर रहे हैं, और इनकी संख्या बहुत बड़ी है। अदालत के निर्णय ने दिखा दिया है कि तृणमूल नेता कितने भ्रष्ट रहे हैं।

विशेष रूप से, क्योंकि, तृणमूल कांग्रेस ने, इस निर्णय को टालने और रद्द करवाने के लिए हर तरह की कोशिश की थी। पार्टी ने भारी भरकम राशि खर्च करके हाई प्रोफाइल वकील अभिषेक मनु सिंघवी की सेवाएं ली थीं। सभी विपक्षी पार्टियों ने, शिक्षकों की नियुक्ति बर्खास्त करने के आदेश को चुनौती देने के सरकार के निर्णय की भारी आलोचना की थी। अब सरकार की स्थिति बहुत खराब है और विपक्षी पार्टियां हाथ धोकर उनके पीछे पड़ गई हैं।

ऊधमपुर-श्रीनगर-बारामूला...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

स्थित है।

बेहद महत्वपूर्ण 3,209 मीटर लम्बी टी-वन सुरंग भी पूरी बन गई हैं। इसके निर्माण में काफी भौगोलिक व तकनीकी चुनौतियां आईं थीं। अब यहां पटरियां बिछाने का काम चल रहा है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने पूर्व में घोषणा की थी कि यू.एस.बी.आर.एल. (उधमपुर, श्रीनगर, बारामूल) दिसम्बर 2023 या जनवरी 2024 तक पूरा हो जाएगा। अब चूंकि टी-वन की बाधा पार हो गई है तो अगले वर्ष के आरंभ तक ट्रैक चालू हो जाएगा। पर अब लोड डिफ्लैक्शन टैस्ट की नई बहस छिड़ गई है प्रोजैक्ट पर और देरी हो सकती है।

मुम्बई एयर पोर्ट को बम की धमकी मिली

मुंबई, 14 नवंबर। मुंबई एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। मुंबई डोमेस्टिक एयरपोर्ट (टी1) पर सीआईएसएफ कंट्रोल रूम को बुधवार दोपहर को धमकी की कॉल मिली, जिसमें दावा किया गया कि मोहम्मद नाम का एक शख्स विस्फोटक सामाग्री लेकर मुंबई से अजरबैजान जा रहा है। इस कॉल से एयरपोर्ट पर हड़कंप मच गया। सी.आई.एस.एफ. की टीम ने तुरंत इस मामले को गंभीरता से लिया और सहार पुलिस स्टेशन को अलर्ट किया, जिसके बाद पुलिसकर्मियों की एक टीम को एयरपोर्ट पर तैनात किया गया और विस्तृत जांच शुरू की गई। सूत्रों के अनुसार, कॉल करने वाले ने किसी खास फ्लाइट का जिक्र नहीं किया और दोपहर करीब 3:00 बजे के आसपास अचानक कॉल बंद कर दी। इसके बाद अधिकारियों ने इस कॉल की जांच शुरू कर दी और संदिग्ध के बारे में जानकारी जुटाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908